page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/28/2025 1:25 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 अलग-अलग घटनाओं में खनिजों के अवैध खनन और परिवहन में शामिल दो वाहनों को जब्त किया

5 फिडे विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप: पांच राउंड के बाद गुकेश, एरिगैसी और कार्लसन संयुक्त बढ़त में

8 सूरजमुखी के बीज की खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 8 — अधिकतम 18

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-319 | जम्मू तवी, रविवार 28 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी हमें सत्य, न्याय और धर्म के लिए खड़े होने की प्रेरणा देते हैं': प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश उत्सव के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और साहस, करुणा तथा बलिदान की उनकी चिरस्थायी विरासत को स्मरण किया।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी पीढ़ियों को सत्य, न्याय और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं, साथ ही सेवा और निस्वार्थ कर्तव्य की भावना भी जागृत करते हैं।

प्रधानमंत्री ने लिखा, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पावन प्रकाश उत्सव पर हम श्रद्धा से उन्हें नमन करते हैं। वे साहस, करुणा और त्याग के प्रतीक हैं। उनका जीवन और उनकी शिक्षाएं हमें सत्य, न्याय, धर्म तथा मानव गरिमा की रक्षा के लिए सदैव प्रेरित करती हैं।

प्रधानमंत्री ने इस वर्ष की शुरुआत में तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब—जो सिख धर्म के पाँच तख्तों में से एक है और गुरु गोबिंद सिंह जी की जन्मस्थली है—की अपनी यात्रा की झलकियां भी साझा कीं।

उन्होंने कहा, यहां तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब की मेरी इस वर्ष की यात्रा की तस्वीरें हैं, जहां मुझे श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और माता साहिब कौर जी के पावन जोड़े साहिब के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

प्रकाश पर्व, जो श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती के रूप में मनाया जाता है, हर वर्ष उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर गुरुद्वारों को प्रकाश (रोशनी) के प्रतीक रूप में जगमगाती रोशनी से सजाया जाता है। इसके बाद आनंद पाठ और प्रभात फेरी का आयोजन किया जाता है, जो मुख्य पर्व से कुछ दिन पहले आरंभ हो जाता है।

26 दिसंबर को देशभर में वीर बाल दिवस मनाया गया, जिसमें गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे पुत्र साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह के बलिदान को स्मरण किया गया। दोनों ने क्रमशः नौ और छह वर्ष की अल्पायु में सिख धर्म की गरिमा और सम्मान की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 जनवरी 2022 को घोषणा की थी कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पुत्रों की शहादत की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

पहलगाम आतंकी हमले की जांच पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर कठघरे में खड़ा करेगी : अमित शाह

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले की जांच, जिसमें 26 नागरिकों की जान गई थी, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान को बेनकाब करेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इस जांच का अध्ययन दुनिया भर की जांच एजेंसियां करेंगी।

नई दिल्ली में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा आयोजित दो दिवसीय आतंकवाद-रोधी सम्मेलन-2025 के उद्घाटन अवसर पर संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि इस हमले की सफल और व्यापक जांच भारत की आतंकवाद-रोधी क्षमताओं का उत्कृष्ट उदाहरण है।

कार्यक्रम के दौरान गृह मंत्री ने एनआईए की अद्यतन अपराध नियमावली (क्राइम मैनुअल), संगठित अपराध नेटवर्क डेटाबेस तथा खोए/लूटे गए और बरामद हथियारों के डेटाबेस का भी अनावरण किया।

बैसारन घाटी में हुए पहलगाम हमले का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था और इसका उद्देश्य सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ना तथा कश्मीर में विकास और पर्यटन के नए दौर को बाधित करना था। उन्होंने कहा कि सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने हमले में शामिल तीनों आतंकियों को मार गिराया, जिससे पाकिस्तान को कड़ा संदेश गया।

उन्होंने कहा, 卐यह पहला आतंकी मामला है जिसमें साजिशकर्ताओं को ऑपरेशन सिंदूर के तहत सजा दी गई, जबकि हथियारों के साथ हमला अंजाम देने वाले आतंकियों को ऑपरेशन महादेव के तहत ढेर किया गया।卐

गृह मंत्री ने कहा कि भारत सरकार, सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों और नागरिकों ने मिलकर पाकिस्तान की आतंक मशीनरी को करारा और उपयुक्त जवाब दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि पहलगाम हमले की जांच के निष्कर्ष वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान को कठघरे में खड़ा करेंगे। अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर पुलिस की भी सराहना की, जिसने लाल किले के पास हुए दिल्ली ब्लास्ट मामले की गहन जांच की। इस विस्फोट में लगभग एक दर्जन लोगों की मौत हुई थी और कई अन्य घायल हुए थे।

उन्होंने कहा, 卐हमारी सभी एजेंसियों ने पूरे आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने में उत्कृष्ट कार्य किया है पहलगाम और दिल्ली ब्लास्ट मामलों की जांच को 卐अभेद्य और अनुकरणीय卐 बताते हुए शाह ने कहा कि ये उदाहरण दर्शाते हैं कि सतर्क और सजग पुलिसिंग किस प्रकार बड़े राष्ट्रीय संकटों को टाल सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता नीति का उल्लेख करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि आतंकवाद-रोधी सम्मेलन एक महत्वपूर्ण वार्षिक मंच के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन से निकलने वाले ठोस सुझावों को एनआईए और राज्य एजेंसियों द्वारा लगातार लागू किया जा रहा है, जिससे देश का आतंकवाद-रोधी ढांचा और मजबूत हुआ है।

खबर संक्षेप

आईजीपी कश्मीर ने वार्षिक अपराध समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

श्रीनगर, 27 दिसंबर। कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वी.के. बर्डी ने आज कश्मीर पुलिस नियंत्रण कक्ष में वार्षिक अपराध समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में कश्मीर जोन के सभी रेंज डीआईजी, कश्मीर जोन के सभी जिला एसएसपी, जेडीपी जेडपीएचक्यू और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के प्रारंभ में उपस्थित अधिकारियों ने आईजीपी कश्मीर को कश्मीर जोन में समग्र अपराध स्थिति के बारे में जानकारी दी और अपराध रोकथाम तथा जांच की गुणवत्ता में सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

सामान्य अपराधों के अलावा बैठक में यूएपीए के अंतर्गत आने वाले मामलों की जांच, यूएपीए मामलों में संपत्ति कुर्की की स्थिति, आतंकवाद से संबंधित और आतंकवाद वित्तपोषण के मामले, पीएसए के तहत हिरासत, एनडीपीएस/नारको-टेरर मामले और पीओसीएसओ मामलों पर चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त निवारक उपायों के तहत की गई कार्रवाई, लंबित जांच कार्यवाही और फरार अपराधियों की गिरफ्तारी पर भी चर्चा हुई। जिला एसएसपी ने अपने-अपने जिलों के लिए विस्तृत प्रस्तुतियाँ दीं जिनमें उन्होंने अपराध निवारण प्रयासों, एफआईआर और ई-एफआईआर के पंजीकरण, जांच की स्थिति और अपने अधिकार क्षेत्र में मामलों के निपटारे पर प्रकाश डाला।

कश्मीर के आईजीपी ने सामान्य अपराध जांच की समीक्षा की और अपराध रोकथाम में जिला प्रमुखों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने जांच की गुणवत्ता को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया और बेहतर जांच पद्धतियों, वैज्ञानिक उपकरणों के अधिक उपयोग और मजबूत अनुवर्ती (पैरवी) प्रणाली के माध्यम से दोषसिद्धि दर में सुधार के महत्व को रेखांकित किया विशेष रूप से नशीले पदार्थों और आतंकवाद से संबंधित मामलों में। उन्होंने अधिकारियों को एनडीपीएस और यूएपीए मामलों में दोषसिद्धि सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत प्रणाली तैयार करने का निर्देश दिया ताकि नशीले पदार्थों से जुड़े आपराधिक और आतंकी तंत्र को तोड़ा जा सके।

रटने वाली पढ़ाई से हटकर लचीले और स्किल पर फोकस वाले लर्निंग मॉडल को अपनाएं : सिन्हा

जम्मू, 27 दिसंबर। उपराज्यपाल, श्री मनोज सिन्हा, आज श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए।

अपने दीक्षांत भाषण में, उपराज्यपाल ने बदलती दुनिया की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पुराने, रटने वाले सिस्टम से ज़्यादा आधुनिक और स्किल-बेस्ड लर्निंग तरीकों की ओर बढ़ने की ज़रूरत के बारे में बात की। हमारा प्रयास करिकुलम का बोझ कम करना और भविष्य की नौकरियों के लिए अनुकूल स्किल्स विकसित करना होना चाहिए। अगर किसी भी उच्च शिक्षा संस्थान का एक भी छात्र बेरोज़गार है या अपना खुद का उद्यम स्थापित नहीं कर रहा है, तो इसका साफ़ मतलब है कि उस शिक्षण संस्थान और उसके शिक्षकों ने ईमानदारी से अपना काम नहीं किया है, उन्होंने कहा। उपराज्यपाल ने छात्रों से जीवन में नए रास्ते बनाने, जीवन को नई दिशा देने, नए पहलुओं को खोजने और राष्ट्र की समृद्धि के लिए नए तरीके सुझाने का आह्वान किया।

2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए, हर छात्र, हर शिक्षण संस्थान को अपनी ज़िम्मेदारी निभानी होगी क्योंकि भविष्य और उसका विकास ज्ञान अर्थव्यवस्था पर आधारित होगा, उपराज्यपाल ने कहा।

उपराज्यपाल ने तकनीकी बदलाव और 21वीं सदी के वर्कफोर्स की मांगों के साथ तालमेल बिठाने के लिए पांच समाधान बताए। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा, टीचिंग, लर्निंग और यूनिवर्सिटी के कामों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शामिल करें और नई टेक्नोलॉजी के टूल्स को प्राथमिकता के आधार पर अपनाएं। रटने वाली पढ़ाई से हटकर ज़िंदगी भर चलने वाले, लचीले और स्किल पर फोकस वाले लर्निंग मॉडल को अपनाएं। इंडस्ट्री और दूसरे संस्थानों के साथ मज़बूत पार्टनरशिप बनाएं।

विपक्ष फैला रहा भ्रम, मोदी सरकार ने मजदूर और गांव दोनों को किया सशक्त : शिवराज सिंह

नई दिल्ली, 27 दिसंबर । केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ग्रामीण रोजगार, ग्राम पंचायत के अधिकार और मजदूरों की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस सहित विपक्ष द्वारा फैलाया जा रहा भ्रम पूरी तरह तथ्यों से परे और भ्रामक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने विकसित भारत- जी राम जी योजना के माध्यम से ग्रामीण भारत और मजदूरों के अधिकारों को पहले से अधिक मजबूत किया है, न कि कमजोर। शिवराज सिंह ने कड़े शब्दों में कहा कि कांग्रेस के राज में तो मनरेगा योजना भ्रष्टाचार के दलदल में फंसी थी और अब हम पूरी पारदर्शिता के साथ विकसित भारत- जी राम जी योजना लाए हैं, जिससे देशभर के

मजदूरों को वास्तविक लाभ मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने शनिवार को विज्ञप्ति जारी कर कहा कि कांग्रेस का शोर सिर्फ राजनीतिक हैद्ध कांग्रेस के पास न नीयत थी, न नीति। यह वही कांग्रेस है, जिसने चुनावी फ़ायदे के लिए महात्मा गांधी जी का नाम जोड़ा। यह वही कांग्रेस है, जिसने समय-समय पर मनरेगा का बजट कम किया। यह वही कांग्रेस है, जिसने मजदूरी फिज की, और आज कांग्रेसी घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं।

जम्मू में लोकभवन के बाहर विरोध प्रदर्शन

जम्मू, 27 दिसंबर । शनिवार को दर्जनों प्रदर्शनकारी लोक भवन के बाहर जमा हुए और उन्होंने उपराज्यपाल का पुतला जलाकर जम्मू-कश्मीर के रियासी स्थित श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस की एमबीबीएस प्रवेश सूची रद्द करने की मांग की।

हाल ही में गठित संगठनों के समूह श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति द्वारा आयोजित इस प्रदर्शन में एलजी वापस जाओ जैसे नारे लगाए गए।

जम्मू-कश्मीर भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं और जम्मू चैबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष अरुण गुप्ता सहित कई व्यापारिक नेताओं ने भी प्रदर्शन में भाग लिया। प्रदर्शन के कारण लोक भवन के बाहर मुख्य सड़क

अवरुद्ध हो गई जिससे आसपास की सड़कों पर यातायात जाम हो गया और डेढ़ घंटे से अधिक समय तक यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हिंसा के खिलाफ कड़ा आक्रोश

जम्मू, 27 दिसंबर । डोगरा ब्राह्मण प्रतिनिधि सभा (डीबीपीएस) परेड, जम्मू की शनिवार को आयोजित बैठक में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा की कड़े शब्दों में निंदा की गई। बैठक में केंद्र की एनडीए सरकार से मांग की गई कि वह बांग्लादेश सरकार के साथ सख्ती से पेश आए और वहां हो रही हिंसा को तुरंत रोकने के लिए ठोस कदम उठाए। वक्ताओं ने कहा कि यदि हालात पर जल्द नियंत्रण नहीं पाया गया तो भारत सरकार को 1971 की तरह निर्णायक कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटना चाहिए।

बैठक की अध्यक्षता डीबीपीएस अध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा ने की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि भारत सरकार को ढाका को स्पष्ट और कड़ी चेतावनी देनी चाहिए, क्योंकि बांग्लादेश में कट्टरपंथी और गुमराह युवाओं द्वारा हिंदू समुदाय को लगातार निशाना बनाया जा रहा है।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, 1.40 लाख के पार पहुंचा सोना

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। सोना आज 700 रुपये प्रति 10 ग्राम से 770 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया है। वहीं चांदी ने आज 6 हजार रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक की छलांग लगाई। सोने की कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1.40 लाख रुपये के स्तर को पार करके 1,40,030 रुपये से लेकर 1,40,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

कांग्रेस 5 जनवरी से करेगी मनरेगा बचाओ देशव्यापी आंदोलन

नई दिल्ली, 27 दिसंबर । कांग्रेस ने मनरेगा समाप्त करने के विरोध में 5 जनवरी से मनरेगा बचाओ देशव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। यह निर्णय पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की शनिवार को यहां हुई बैठक में लिया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मनरेगा केवल योजना नहीं, बल्कि अधिकार-आधारित संरचना थी, जिसने देश के करोड़ों ग्रामीण मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी का कानूनी अधिकार दिया। नई वीबी-जी राम जी योजना प्रत्यक्ष अधिकार ढांचे पर प्रहार है और यह राज्यों की संघीय संरचना पर भी आक्रमण है, क्योंकि केंद्र अब राज्यों से धन वापस खींच रहा है। इसका प्रभाव गरीब जनता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गहरा आघात करेगा।

खरगे ने कहा कि संसद में 16 दिसंबर को केंद्र सरकार ने स्वयं स्वीकार किया था कि नीति आयोग के अध्ययन में मनरेगा से टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण की पुष्टि हुई है। कांग्रेस नेताओं ने यह भी कहा कि कोरोना महामारी काल में मनरेगा ने प्रवासी मजदूरों को रोजगार सुरक्षा प्रदान कर ग्रामीण संकट प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

लद्दाख के दूर-दराज और सीमावर्ती इलाकों को सशक्त बनाने के लिए पांच नए जिले, एलजी कविंदर ने कहा

लेह, 27 दिसंबर। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में पांच नए जिलों का गठन इस क्षेत्र के दूर-दराज और सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए विकेन्द्रीकृत शासन, समान विकास और प्रशासनिक न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगा। लंबे समय से प्रतीक्षित पांच नए जिलों के गठन से शासन लोगों के करीब आएगा, आवश्यक सेवाओं तक पहुंच में सुधार होगा, और लद्दाख के अद्वितीय और चुनौतीपूर्ण इलाके में लंबे समय से चली आ रही विकासात्मक असमानताओं को दूर किया जा सकेगा।यह बात लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल श्री कविंदर गुप्ता ने काउंसलर चा, श्री स्टैनज़िन लकपा के नेतृत्व वाले एक प्रतिनिधिमंडल से बातचीत के दौरान कही, जिसने यहां उपराज्यपाल सचिवालय में उनसे मुलाकात की।बैठक के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने पांच नए जिलों – चांगथांग, ज़ांस्कर, नुब्रा, शाम और द्रास – के गठन की घोषणा के लिए केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही, प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से इन जिलों की औपचारिक अधिसूचना और समयबद्ध तरीके से जल्द से जल्द संचालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया ताकि लोगों को ठोस प्रशासनिक और विकासात्मक लाभ मिलना शुरू हो सके। प्रतिनिमंडल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इन क्षेत्रों के लोगों को विशाल दूरी, कठोर जलवायु परिस्थितियों और सीमित प्रशासनिक पहुंच के कारण गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पूर्ण जिलों की स्थापना से जमीनी स्तर पर शासन मजबूत होगा, सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी में सुधार होगा,

जम्मू-कश्मीर के बाहर कश्मीरियों का उत्पीड़न गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा चिंता: सज्जाद लोन

श्रीनगर, 27 दिसंबर । पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने शनिवार को देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले कश्मीरियों के कथित उत्पीड़न पर गंभीर चिंता व्यक्त की और केंद्र से इस मुद्दे को एक अलग घटना के बजाय राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला मानने का आग्रह किया।

अधिकारी के अनुसार लोन ने श्रीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हजारों कश्मीरी विशेषकर कुपवाड़ा जैसे उत्तरी कश्मीर के जिलों से दशकों से देश भर में रह रहे हैं और काम कर रहे हैं और उन्होंने राष्ट्रीय

एकता में योगदान दिया है। अगर हमारे ही देश में हमारे साथ ऐसा व्यवहार किया जाए तो हमारी औकात क्या है, लोन ने परिवारों के हवाले से कहा। उन्होंने कहा कि हालाँकि कुछ गिरफ़्तारियाँ की गई हैं लेकिन जिस पैमाने पर घटनाएँ बताई जा रही हैं उसकी तुलना में यह सागर में एक बूंद मात्र है।

नए साल में बना रहे घूमने का प्लान तो...

मलेशिया को करें एक्सप्लोर, वीजा पर नहीं खर्च होगा एक भी पैसा

नए साल को आने में कुछ दिनों का समय बचा है। नए साल पर कई लोग घूमने का प्लान बनाते हैं, तो वहीं कुछ लोग विदेश घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में अगर आप भी नए साल पर विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको बता दें कि घूमने के शौकीन लोगों के लिए एक बेहद अच्छी खबर सामने आई है।
दरअसल, भारत और चीन के नागरिकों को 1 दिसंबर से मलेशिया में वीजा फ्री एंट्री मिल रही है। ऐसे में आप बिना वीजा पर एक पैसा खर्च किए मलेशिया घूमने का प्लान बना सकते हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम ने अपने एक भाषण के दौरान यह घोषणा की।
इन देशों के नागरिक कर सकेंगे वीजा फ्री यात्रा

मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम के अनुसार, चीनी और भारतीय नागरिक बिना वीजा के 30 दिनों तक मलेशिया की सैर कर सकते हैं। हांलाकि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि वीजा फ्री एंट्री कब तक लागू रहेगी।

इन देशों में कर सकेंगे वीजा फ्री एंट्री

आपको बता दें कि इस लिस्ट में अब कई देशों का नाम शामिल हो गया है, जहां पर भारतीय नागरिक वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं। मलेशिया के अलावा भारतीय नागरिक श्रीलंका और थाईलैंड में भी वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं।

भारत और चीन, मलेशिया के चौथे और पांचवें सबसे बड़े सोर्स मार्केट की लिस्ट में शामिल हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी से जून के बीच मलेशिया में 9.16 मिलियन पर्यटक आए। जिनमें से भारत के 2,83,885 पर्यटक और चीन के 4,98,540 पर्यटक शामिल रहे। वहीं कोरोना महामारी से पहले साल 2019 में भारत से 3,54,486 और चीन से 1,5 मिलियन लोग मलेशिया पहुंचे थे।

वीजा के लिए आवेदन

थाईलैंड ने अपने महत्वपूर्ण पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने और सुस्त अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए वीजा फ्री एंट्री का ऐलान किया। इस साल चीनी और भारतीय नागरिकों को भी यह छूट मिली है। हांलाकि वर्तमान समय में भारतीय और चीनी पर्यटकों को मलेशिया जाने के लिए वीजा का आवेदन करना पड़ता है।

जर्मनी के प्रचलित शहरों में से एक कोलोन

जर्मनी के प्रमुख शहरों में से एक कोलोन में जमीन पर तो अब रोम साम्राज्य के अधिक अवशेष दिखाई नहीं देते हैं परंतु जमीन के तले आज भी रोम साम्राज्य के प्रभुत्व के प्रमाण मौजूद हैं। एक सीढ़ी की मदद से नीचे उतरने पर रहस्यमयी अंधेरे से घिरे दूसरी सदी की एक कब्रगाह तक पहुंचा जा सकता है।
विभिन्न पौराणिक जीवों की आकृतियों से सजा एक विशाल ताबूत यहां दिखाई देता है।इसका ढक्कन हटाया गया है जिसके भीतर झांकने पर सारा डर दूर हो जाता है क्योंकि इसमें कोई भयावह चीज नहीं बल्कि दो कुर्सियां रखी दिखाई देती हैं। पहली नजर में ये कुर्सियां आजकल की आम कुर्सियां जैसी प्रतीत होती हैं परंतु ध्यान से देखने पर इनका महत्व महसूस होने लगता है क्योंकि इन कुर्सियों को बेहद कलात्मक ढंग से चूना पत्थर से करीब 1800 वर्ष पहले तैयार किया गया था।
इन भूमिगत हिस्सों में सब कुछ बेहद प्राचीन है। बेशक कई सौ वर्ष पूर्व कोलोन वासी रोम साम्राज्य से आजाद हो गए थे और जमीन से तो इसके अधिकतर अवशेष हटा दिए गए परंतु जमीन के नीचे आज भी कोलोनिया क्लाऊडिया अरा एग्रीप्पिनेनसियम (वह उपनिवेश जिससे यह नगर विकसित हुआ) के अवशेष बाकी हैं। गवर्नर के महल प्रायटोरियम का पता ही नहीं चलता यदि द्वितीय विश्व युद्ध में कोलोन शहर का मध्य हिस्सा तबाह न हुआ होता।
आज पर्यटक इस महल के अवशेषों की सैर कर सकते हैं जो सोमवार को छोड़ कर सप्ताह के बाकी दिन खुला रहता है।इसके ठीक साथ प्राचीन गटर है।रोमन 100 किलोमीटर दूर एफिल पहाडियों से ताजा पानी कोलोन तक लाए थे जबकि गंदे पानी की निकासी वे राइन नदी में करते थे। इसके लिए जिस तकनीक का इस्तेमाल प्राचीन रोमन करते थे उसका पता अन्यों को 19वीं सदी में जाकर लगा था।
इस जर्मन शहर में रोम साम्राज्य के कई नए अवशेषों का भी पता चलता रहा है, विशेषकर भूमिगत रेलवे के लिए की जाने वाली खुदाई के चलते कई अवशेषों का पता चल रहा है।हालांकि शहर के भीतरी हिस्से में रहने वाले किसी भी इंसान को प्राचीन अवशेषों का पता चल सकता है।1965 में एक व्यक्ति को अपने घर के बेसमैंट की खुदाई में कुछ पत्थरों से बने हिस्से मिले थे जो एक प्राचीन स्मारक निकला।आज यह रोमन-जर्मेनिक म्यूजियम की शोभा बढ़ा रहा है।इससे पहले 1941 में भी एक बंकर की खुदाई के दौरान एक खोज हुई थी।
तब भगवान डाइओनीसोस का एक मोजायक मिला था जिसमें 15 लाख टाइल्स लगी थीं। यदि आप जानना चाहें कि प्राचीन रोम वासी किस तरह से स्पा का आनंद लिया करते थे तो आपको कोलोन से निकल कर करीब स्थित जुएलपिच कस्बे तक जाना होगा। वहां म्यूजियम ऑफ बैथ कल्चर में प्राचीन रोम के स्नानागारों के संरक्षित अवशेष सहेज कर रखे गए हैं। संग्रहालय में मॉडल्स बना कर रोम कालीन स्नानागारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है।गहरे रंग में रंगे स्नानागारों में कपड़े बदलने के लिए लॉकर रूम बने हैं।
स्वीटिंग या हॉट बैथ में स्नान करने से पहले शरीर पर तेल लगाया जाता था या मालिश करवाई जाती थी। फिर करीब 40 डिग्री तक गर्म पानी में स्नान किया जाता था। बाद में वे ठंडे पानी में नहाते थे।स्नानागारों में केश विन्यासक, चिकित्सक तथा रसोइए भी मेहमानों की सेवा में मुस्तैद रहते थे।
स्नानागारों के नीचे गुलाम लगातार आग जला कर रखते थे जिसकी ऊष्मा फर्श तथा दीवारों बने छिद्रों से होकर स्नानागार तक पहुंचती रहती थी।
जब आग के लिए लकड़ी पाने के लिए आस-पास के जंगलों के पेड़ों को काट कर खत्म कर दिया गया तो प्राचीन रोम वासी ब्लैक फॉरैस्ट से लकड़ी काट कर राइन नदी के रास्ते कोलोन तक पहुंचाने लगे थे।उस वक्त अभिजात्य वर्ग के रोम वासियों के लिए विशेष शौचालय भी बनाए गए थे जहां वे एक साथ बैठ कर निवृत्त होते हुए विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श भी किया करते थे। इतिहास पर नजर डालें तो कोलोन की खूबियों ने रोमन साम्राज्य का मन पूरी तरह मोह लिया था।
इतिहास बताता है कि हर किसी ने कोलोन को अपना बनाने की कई कोशिशें कीं।यह रोमन साम्राज्य का एक बड़ा केंद्र रहा। 2 हजार साल पहले राइन नदी के किनारे रोमन साम्राज्य का विस्तार केंद्र कोलोन ही था। रोम शासकों ने यहां अपनी व्यापारिक चैकी स्थापित की थी और नाम दिया था कोलोनिया। रोमन दौर की निशानियां कोलोन में आज भी यहां वहां बिखरी हुई हैं। राइन नदी इलाके में व्यापार का प्रमुख रास्ता रहा है और इसकी बदौलत कोलोन की समृद्धि भी रही। मध्ययुगीन दौर में रोमन शासन के बनाए 12 चर्च और किले सरीखे तीन नगर द्वार कोलोन की विशिष्टता रहे हैं।

मॉरीशसः समुद्र का निराला संसार

दुनिया के बीच डेस्टिनेशन में जिन जगहों को मुख्य रूप से गिना जाता है उनमें मॉरीशस टॉप पर है। हिंद महासागर के नीले गहरे पानी में स्थित मॉरीशस अनूठा है। रंग, संस्कृति और स्वाद में जो विविधता यहां है, वह यहां गुजारे पलों को यादगार बना देती है। इसकी भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि लगभग पूरे साल यहां का मौसम लगभग एक सरीखा रहता है। ना बहुत ज्यादा गर्मी पड़ती है और न ज्यादा ठंड। दिसंबर से मार्च के महीने सबसे ज्यादा बारिश वाले होते हैं, इसलिए उनको छोड़कर बाकी पूरे साल यहां कभी भी जाया जा सकता है। मॉरीशस के सफेद रेतीले तट कोरल रीफ बैरियर से सुरक्षित हैं। यहां का लगभग समूचा तट कोरल रीफ से घिरा है, सिवाय दक्षिणी सिरे के कुछ अपवाद को छोड़कर। इसीलिए बाकी तटों पर समुद्र जहां शांत होता है, वहीं दक्षिणी हिस्से में वह बहुत अशांत है। वहां चत्रनी तट पर समुद्र की पछाड़ें देखकर आप मुग्ध हो सकते हैं।
मॉरीशस के मुख्य द्वीप के चारों ओर कई छोटे-छोटे निर्जन द्वीप भी हैं। हम भारतीयों के लिए मॉरीशस उन जगहों में से है, जहां से हमारा भावनात्मक लगाव है। हमारी संस्कृति साझी है और लोग भी। राजधानी पोर्ट लुई पश्चिमी तट पर स्थित है। उत्तर का इलाका मैदानी है और यहां देश के कई सबसे खूबसूरत बीच हैं। समुद्र तटों की रंगीनियत भी सबसे ज्यादा इसी इलाके में है। वहीं पूर्वी मॉरीशस के समुद्र तट सुकून से कुछ पल बिताने के लिए हैं। यहां के समुद्र तट की खूबसूरती खोह और लैगून में हैं। यहां ब्लू बे और बेले मेरे सबसे लोकप्रिय समुद्री इलाकों में से हैं। उधर पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी तट रोमांच प्रेमियों के लिए स्वर्ग हैं। यहां आप सर्फिंग, स्नोर्कलिंग, डीप शी फिशिंग, जैसे ज्यादातर समुद्री खेल का आनंद आप ले सकते हैं। यहां टेमेरिन बे के आसपास आप डॉल्फिन भी देख सकते हैं। दक्षिणी इलाके का रंगरूप बाकी देश से पूरी तरह अलग है। ग्रिस-ग्रिस ही मॉरीशस के समुद्री तट का अकेला ऐसा इलाका है जहां कोरल रीफ नहीं हैं। वहां किनारे ऊंची पहाड़ियां और गहरी खाइयां देखने को मिल जाएंगी। मॉरीशस का भीतरी इलाका संस्कृति के विभिन्न रंगों से रंगा है। यहां की शिवरात्रि आपको भारत की शिवरात्रि जैसी ही लगेगी।

कैसे जाएं

मॉरीशस के लिए दिल्ली व मुंबई आदि शहरों से कई एयरलाइंस की उड़ानें हैं। दिल्ली से मॉरीशस की सीधी उड़ान लगभग साढ़े सात घंटे का समय लेती है। कई उड़ानें दुबई के रास्ते भी हैं। मॉरीशस का वापसी किराया दिल्ली से 26 हजार रुपये से शुरू हो जाता है। मॉरीशस जाना बेशक महंगा है लेकिन वहां रुकने के लिए लग्जरी रिजॉर्ट के अलावा बजट होटल भी बड़ी आसानी से मिल जाएंगे।

इस एक स्थान पर होती है तीन धर्मों की यात्रा

संसार भर में भारत ही ऐसा देश है जहां विभिन्न धर्मों से जुड़े लोग एकजुट होकर रहते हैं। बहुत से ऐसे स्थान हैं जहां विभिन्न धर्मों के पवित्र स्थल एक ही स्थान पर स्थापित हैं। उन्हीं में से एक तीर्थ है राजगृह। राजगृह हिन्दू, बौद्ध और जैन तीनों धर्मों के अनुयायीयों का तीर्थ है। पुरातन काल में राजगृह मगध की राजधानी हुआ करती थी तत्पश्चात मौर्य साम्राज्य आया। महाभारत में राजगृह को तीर्थ माना गया है। राजगृह के समीप अरण्य में जरासंध की बैठक नाम की एक बारादरी अवस्थित है।

हिन्दू तीर्थ

यहां प्रवाहित होने वाली सरस्वती नदी को स्थानीय लोग प्राची सरस्वती कहते हैं। सरस्वतीकुण्ड से आधा मील की दूरी पर सरस्वती को वैतरणी कहा जाता है। इस नदी के तट पर पिण्डदान और गोदान का बहुत महत्व है इसलिए यहां प्रत्येक धर्म-समुदाय के लोग पिण्डदान करते हैं। यहां मार्कण्डेयकुण्ड, व्यासकुण्ड, गंगा-यमुनाकुण्ड, अनन्तकुण्ड, सप्तर्षिधारा और काशीधारा हैं। जिनके समीप बहुत से देवी-देवताओं के मंदिर अवस्थित हैं।

बौद्ध तीर्थ

पुरातन काल में इस स्थान पर बौद्धों के 18 विहार हुआ करते थे। राजगृह मुख्य बौद्ध तीर्थ है क्योंकि महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन काल का बहुत बड़ा हिस्सा यहां व्यतित किया था। वर्षा के चार महीने यहीं व्यतीत किया करते थे।

जैन तीर्थ

जैन तीर्थ पंच पहाड़ों पर स्थित है। इक्कीसवें तीर्थंकर मुनि सुव्रतनाथ का जन्म इसी पहाड़ी पर हुआ था। यही उनकी तपो भूमी थी। मुनिराज धनदत्त और महावीर के बहुत सारे गणधर इसी स्थान से मोक्ष को प्राप्त हुए थे। जैनयात्री यहां विशेष रूप से दर्शनों के लिए आते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरुद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज का 359वां प्रकाश पर्व श्रद्धा से मनाया गया

जम्मू, 27 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू के गुरुद्वारा डिग्याना आश्रम में दसवें पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज का 359वां प्रकाश पर्व पूरी श्रद्धा, उत्साह और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन शिरोमणि डेरा नंगाली साहिब पूंछ के महंत श्रीमान महंत मनजीत सिंह जी की देखरेख में किया गया। इस अवसर पर आयोजित गुरुपुरब समागम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। जम्मू-कश्मीर की विभिन्न सिख संगठनों ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता की। समागम में सिख यूनाइटेड फ्रंट जम्मू-कश्मीर, भाई कन्हैया निष्काम सेवा सोसायटी, शिरोमणि अकाली दल जम्मू-कश्मीर, सिख नौजवान सभा, स्थानीय गुरुद्वारा समितियां और डीजीपीसी जम्मू के सदस्य सहित अनेक संगठनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हजूरी रागी भाई सतवंत सिंह जी (श्री दरबार साहिब, अमृतसर), भाई हरबंस सिंह रागी जत्था जम्मू, भाई हरभिंदर सिंह (सिख मिशन जम्मू-कश्मीर), भाई बचन सिंह जी, भाई रणजीत सिंह (यूपी हजूरी रागी) और फतेह सिंह ने गुरुवाणी कीर्तन के माध्यम से संगत को निहाल किया और गुरु गोबिंद सिंह जी के जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सिख यूनाइटेड फ्रंट जम्मू-कश्मीर के चेयरमैन सरदार सुदर्शन सिंह वज़ीर ने गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के बलिदानों और त्याग को स्मरण करते हुए कहा कि गुरु साहिब ने मानवता की रक्षा के लिए 21 युद्ध लड़े और सभी में विजय प्राप्त की। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने मानव कल्याण के लिए अपने चारों साहिबजादों सहित संपूर्ण परिवार का बलिदान दिया और हमेशा कमजोर व शोषित वर्ग के लिए खड़े रहे। उन्होंने संगत से गुरु साहिब द्वारा दिखाए गए सत्य, समानता और साहस के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। पूर्व मंत्री सरदार हरबंस सिंह ने भी संगत को संबोधित करते हुए गुरु गोबिंद सिंह जी की शिक्षाओं को नमन किया और कहा कि गुरु साहिब ने अपना संपूर्ण जीवन सत्य, न्याय और मानव गरिमा की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। महंत मनजीत सिंह जी ने सरदार हरबंस सिंह को हाल ही में फारूक अब्दुल्ला के सलाहकार नियुक्त होने पर सम्मानित किया और जनसेवा के प्रति उनके योगदान की सराहना की। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, जिनमें जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला भी शामिल रहे, ने संगत को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं।

जीओसी राइजिंग स्टार ने कठुआ के सुदूर इलाकों में ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की

जम्मू-कश्मीर, 27 दिसंबर (हि.स.)। राइजिंग स्टार कोर के जनरल-ऑफिस-कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल राजन शरवत ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के सुदूर इलाकों के दौरे के दौरान ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की। राइजिंग स्टार कोर ने एक्स पर पोस्ट किया, राइजिंग स्टार कोर के जीओसी ने बनी, मच्छेड़ी और कठुआ में तैनात सैनिकों की ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की। इसमें आगे पोस्ट किया गया, जीओसी ने राष्ट्र की रक्षा के प्रति उनके पेशेवर रवैये और प्रतिबद्धता की सराहना की।

जम्मू पुलिस द्वारा मवेशी तस्करी की एक और कोशिश नाकाम

जम्मू, 27 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू पुलिस ऑपरेशन कामधेनु के तहत मवेशी तस्करों पर शिकंजा कसती जा रही है। विशिष्ट सूचना के आधार पर घरोटा पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने घरोटा क्षेत्र में मवेशी तस्करी की एक कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने दो मवेशियों को बचाया और आरोपी सलीम अली पुत्र सैफ निवासी कंगार को गिरफ्तार किया।

इस संबंध में घरोटा पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा 223 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत एफआईआर संख्या 110 दर्ज की गई है। मामले की आगे की जांच जारी है।

सोपोर में मिली एक संदिग्ध वस्तु, बीडीएस ने नष्ट किया

सोपोर, 27 दिसंबर (हि.स.)। शनिवार को उत्तरी कश्मीर के सोपोर इलाके में एक संदिग्ध वस्तु का पता चला और उसे नष्ट कर दिया गया।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह वस्तु श्रीनगर-बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर हाइगम के पास मिली थी। अधिकारी ने बताया कि सेना, सीआरपीएफ और पुलिस की एक संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और इलाके को घेर लिया। वस्तु की जांच के लिए बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) को बुलाया गया।

अधिकारी ने बताया,

एहतियात के तौर पर यातायात और आम नागरिकों की आवाजाही प्रतिबंधित कर दी गई थी। उन्होंने आगे कहा, बीडीएस ने जांच के बाद वस्तु को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि बाद में यातायात और अन्य आवाजाही को बहाल कर दिया गया।

मन की बात पीएम मोदी और जनता के बीच सीधे संवाद को मजबूत करती है: अशोक कौल

सांबा, 27 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर के महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने विजयपुर विधानसभा क्षेत्र के मंडल अध्यक्षों महासचिवों और मन की बात मंडल प्रभारियों की एक बैठक को संबोधित किया। बैठक को संबोधित करते हुए अशोक कौल ने एक अद्वितीय मंच के रूप में मन की बात कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला जो लोगों और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के बीच सीधे और सार्थक संचार को बढ़ावा देता है।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल सिर्फ एक नियमित प्रसारण नहीं है बल्कि एक गतिशील दो-तरफा संचार चैनल है जो जीवन के सभी क्षेत्रों के नागरिकों के विचारों, आकांक्षाओं और उपलब्धियों को दर्शाता है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से कार्यक्रम के प्रसार और चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रत्येक बूथ पर प्रमुख स्थानीय लोगों को संगठित करने और शामिल करने को कहा जिससे सामुदायिक भागीदारी और सार्वजनिक भागीदारी बढ़े। कौल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे मन की बात ने नागरिकों को सामाजिक कार्यों में योगदान देने के लिए प्रेरित किया है, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के बारे में जागरूकता को प्रोत्साहित किया है और स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, युवा नवाचार और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित जन आंदोलनों को प्रज्वलित किया है। ये प्रयास प्रदर्शित करते हैं कि कार्यक्रम ने अपने रेडियो प्रसारण को कैसे आगे बढ़ाया है।

एसएसपी रामबन ने पटनीटॉप और सनासर में नव वर्ष समारोह के लिए सुरक्षा समीक्षा बैठक की

रामबन, 27 दिसंबर (हि.स.)। एसएसपी रामबन ने पटनीटॉप और सनासर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था का आकलन और सुदृढ़ीकरण करने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक पर्यटन विभाग और पटनीटॉप विकास प्राधिकरण द्वारा आयोजित नव वर्ष उत्सव के दौरान पर्यटकों की सुरक्षा संरक्षा और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने के लिए बुलाई गई थी।

बैठक के दौरान पटनीटॉप और सनासर और उसके आसपास के क्षेत्रों में भीड़ प्रबंधन क्षेत्र नियंत्रण यातायात विनियमन निगरानी और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र पर विशेष ध्यान देते हुए सुरक्षा उपायों की व्यापक समीक्षा की गई। उत्सव को शांतिपूर्ण घटना-मुक्त और पर्यटकों और स्थानीय आगंतुकों के लिए आनंददायक बनाए रखने के लिए एक मजबूत सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया गया।

क्षेत्र में तैनात सभी खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों ने अपने सुझाव खतरे के आकलन और परिचालन तैयारियों को साझा किया। अंतर-एजेंसी समन्वय वास्तविक समय में सूचना साझाकरण और प्रभावी ढंग से निपटने के लिए तैनाती रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा हुई।

अलग-अलग घटनाओं में खनिजों के अवैध खनन और परिवहन में शामिल दो वाहनों को जब्त किया

जम्मू, 27 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ अपने विशेष अभियान को जारी रखते हुए ग्रामीण क्षेत्र में अलग-अलग घटनाओं में खनिजों के अवैध खनन और परिवहन में शामिल दो वाहनों को जब्त किया। पहली घटना में खुर पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने पंजीकरण संख्या जेके02सीयू 2882 वाले एक ट्रैक्टर को जब्त किया जिसमें बिना किसी वैध अनुमति के खनिज लदे हुए पाए गए। वाहन को मौके पर ही जब्त कर लिया गया। दूसरी घटना में पौनीचक पुलिस चौकी की एक पुलिस टीम ने पंजीकरण संख्या जेके-02सीजी 6131 वाले एक टिपर का पता लगाया जिसमें बिना फॉर्म के रेत भरी हुई पाई गई। टिपर को तुरंत जब्त कर लिया गया। दोनों ही मामलों में संबंधित खनन कानूनों के तहत आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए जिला खनिज अधिकारी जम्मू को सूचित कर दिया गया है।

पुलिस ने अवैध खैर की लकड़ी की तस्करी में शामिल टाटा मोबाइल किया जब्त

जम्मू, 27 दिसंबर (हि.स.)। घरोटा पुलिस ने दरमियानी रात को अंब क्षेत्र में नियमित नाका निरीक्षण के दौरान एक संयुक्त अभियान में एक टाटा मोबाइल पंजीकरण संख्या जेके02ऐयू-7431 को रुकने का इशारा किया।

हालांकि पुलिस की मौजूदगी को भांपते ही चालक भागने की कोशिश करने लगा और भागने में सफल रहा। जांच करने पर वाहन में लगभग 30-40 क्विंटल खैर की लकड़ी लदी हुई पाई गई जिसे व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए अवैध रूप से ले जाया जा रहा था।

वाहन और जब्त की गई खैर की लकड़ी को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है।

घरोटा पुलिस स्टेशन में एक रिपोर्ट दर्ज की गई है और जब्त किए गए वाहन और बरामद सामग्री को वन अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई के लिए वन विभाग को सौंप दिया गया है।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव - विकसित भारत की दिशा में एक दूरदर्शी और परिवर्तनकारी सुधार'

जम्मू, 27 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर के राज्य सचिव पवन शर्मा ने आज कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा एक दूरदर्शी और परिवर्तनकारी सुधार है जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। वह जिला मुख्यालय डोडा में भाजपा डोडा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे जिसमें पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और विभिन्न क्षेत्रों के नागरिकों की भागीदारी देखी गई। सभा को संबोधित करते हुए पवन शर्मा ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते भारत दशकों से सफलतापूर्वक चुनाव करा रहा है। हालाँकि देश के किसी न किसी हिस्से में लगातार चुनावों की मौजूदा प्रणाली ने शासन, प्रशासनिक दक्षता और विकास कार्यों में काफी बाधा डाली है। उन्होंने टिप्पणी की लगातार चुनाव सरकारों का ध्यान नीति-निर्माण और विकास से हटाकर चुनाव प्रबंधन, आदर्श आचार संहिता को लागू करने और राजनीतिक लामबंदी पर केंद्रित कर देते हैं।

भाजपा ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के जीवन और विरासत पर प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

जम्मू, 27 दिसंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित किए जा रहे राष्ट्रव्यापी अटल स्मृति वर्ष कार्यक्रमों के तहत पूर्व प्रधान मंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रेरक जीवन यात्रा, विचारों और योगदान को दर्शाती एक प्रदर्शनी का उद्घाटन भाजपा मुख्यालय त्रिकुटा नगर जम्मू में किया गया। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सत शर्मा, भाजपा जम्मू-कश्मीर महासचिव (संगठन) अशोक कौल और लोकसभा सांसद जुगल किशोर शर्मा ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। बाद में वरिष्ठ नेताओं ने अटल बिहारी वाजपेई जी के चित्र पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए सत शर्मा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी केवल एक राजनीतिक नेता नहीं बल्कि अपने आप में एक संस्था थे, जिनका जीवन पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहता है। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति और राष्ट्र निर्माण में अटल जी का योगदान अद्वितीय है क्योंकि उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी परिपक्वता, संतुलन और साहस के साथ देश का नेतृत्व किया। सत शर्मा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अटल जी ने भारत के लोकतांत्रिक लोकाचार को मजबूत किया, राष्ट्रीय हित को दृढ़ता से बरकरार रखा और साथ ही राजनीतिक प्रवचन में गरिमा बनाए रखी।

नव वर्ष का स्वागत करने के लिए घाटी में पर्यटकों की अच्छी खासी संख्या पहुंच रही

श्रीनगर, 27 दिसंबर (हि.स.)। नव वर्ष का स्वागत करने के लिए इन दिनों कश्मीर घाटी में पर्यटकों की अच्छी खासी संख्या पहुंच रही है। कई महीनों बाद श्रीनगर, गुलमर्ग और पहलगाम के होटलों में इन दिनों पूरी बुकिंग हो रही है। गुलमर्ग के एक होटल के महाप्रबंधक अल्ताफ अहमद ने कहा, 'इस बार हमारे सभी कमरे बुक हो चुके हैं।' मौसम विभाग ने 27 से 29 दिसंबर तक आंशिक या सामान्यत: बादल छाए रहने और 30 दिसंबर को कुछ स्थानों पर हल्की बारिश/बर्फबारी के साथ सामान्यत: बादल छाए रहने का पूर्वानुमान लगाया है।

आपदा पीड़ितों को पुनर्वास पैकेज में शामिल करने की मांग

जम्मू,, 27 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू जिले के दोमाना गांव में शिव सेना हिंद हिंदुस्तान ने आपदा पीड़ितों की समस्याओं को लेकर बैठक आयोजित की जिसमें प्रदेश अध्यक्ष पंडित राजेश केसरी ने सरकार से मांग की कि इन पीड़ितों को पुनर्वास पैकेज में शामिल किया जाए।

केसरी ने कहा कि आपदा में घर और रोज़गार खोने वाले लोगों को आज तक उचित सहायता नहीं मिली है। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व में नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार ने नदी किनारे घर टूटने वालों को शेल्टर उपलब्ध कराया था, लेकिन आज भी कई परिवार बदहाली में जी रहे हैं। केसरी ने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की कि इन प्रभावित परिवारों को उन पीड़ितों की तरह पाँच मरला प्लॉट दिए जाएं, जिन्हें वर्तमान में राहत पैकेज के तहत शामिल किया जा रहा है।

उन्होंने पुरखू कैंप की दयनीय स्थिति का भी जिक्र किया, जहां कई परिवार आज भी बिना बीपीएल राशन कार्ड के जीवनयापन करने को मजबूर हैं। बैठक में राजकुमार, श्यामलाल, तरसेमलाल, ब्रजेश कुमार, विनोद कुमार, अजय कुमार, नन्नू, अनु देवी, मनी देवी समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे। संगठन ने कहा कि पीड़ितों को न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा और सरकार से तत्काल संज्ञान लेकर सहायता प्रदान करने की अपील की।

रियासी में रिहबर-ए-खेल और पीईटी के लिए पाँच दिवसीय आवासीय रिफ्रेशर कोर्स संपन्न

जम्मू, 27 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में खेल गतिविधियों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत युवा सेवा एवं खेल विभाग (डीवाईएसएस), रियासी द्वारा रिहबर-ए-खेल (आरईके) और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों (पीईटी) के लिए आयोजित पाँच दिवसीय आवासीय रिफ्रेशर कोर्स का आज सांग्योग घर, रियासी में समापन हुआ। समापन समारोह की अध्यक्षता जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी (डीवाईएसएसओ) रियासी तरसेम सिंह ने की, जिन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की।

अपने संबोधन में तरसेम सिंह ने प्रतिभागियों की पूरे कोर्स के दौरान उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि आरईके और पीईटी स्कूल स्तर पर खेल संस्कृति, शारीरिक फिटनेस और विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शारीरिक शिक्षा शिक्षक जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ जीवनशैली की ओर मार्गदर्शन करते हैं।

उन्होंने विभाग की ओर से आश्वासन दिया कि जम्मू-कश्मीर में स्कूली खेलों को मजबूत करने के लिए इस प्रकार के क्षमता-विकास और पेशेवर प्रशिक्षण कार्यक्रम भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे।

इस अवसर पर उन्होंने संसाधन व्यक्तियों बलवान सिंह, रोमेश कुमार, जगदेव सिंह, अरुण देव सिंह, मोहद. रईस और राहुल बक्शी द्वारा दिए गए सैद्धांतिक और व्यावहारिक सत्रों की सराहना की। साथ ही रिफ्रेशर कोर्स के समग्र प्रभारी ओपिंदर पाल सिंह के कुशल समन्वय और सफल आयोजन की भी प्रशंसा की।

पौष पुत्रदा एकादशी को लेकर जम्मू-कश्मीर में श्रद्धालुओं में उत्साह

जम्मू, 27 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में पौष पुत्रदा एकादशी को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह और जिज्ञासा देखने को मिल रही है। पौष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाने वाला यह व्रत संतान प्राप्ति और संतान के उज्ज्वल भविष्य की कामना से जुड़ा माना जाता है।

श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ने जम्मू में जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष पौष पुत्रदा एकादशी की तिथि को लेकर लोगों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है, जिसे स्पष्ट करना आवश्यक है।

महंत रोहित शास्त्री के अनुसार, इस वर्ष पौष शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 30 दिसंबर, मंगलवार को प्रात: 7 बजकर 52 मिनट से आरंभ होकर 31 दिसंबर, बुधवार को प्रात: 5 बजकर 1 मिनट तक रहेगी। तिथि के आधार पर व्रत का निर्धारण संप्रदाय के अनुसार किया गया है। स्मार्त संप्रदाय के श्रद्धालु 30 दिसंबर को जबकि वैष्णव संप्रदाय के श्रद्धालु 31 दिसंबर को पौष पुत्रदा एकादशी का व्रत रखेंगे। उन्होंने बताया कि जिन श्रद्धालुओं ने जिस संप्रदाय के गुरु से दीक्षा ली है, उन्हें उसी के अनुसार व्रत रखना चाहिए।पारण के समय की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि जो श्रद्धालु 30 दिसंबर को व्रत रखेंगे, वे 31 दिसंबर को दोपहर 1 बजकर 26 मिनट तक पारण कर सकते हैं। वहीं, 31 दिसंबर को व्रत रखने वाले श्रद्धालु 1 जनवरी 2026 को प्रात: 7 बजकर 14 मिनट से 9 बजकर 18 मिनट के बीच पारण कर सकते हैं। जम्मू-कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों में मंदिरों और घरों में इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना की तैयारियां की जा रही हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पुत्रदा एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित होता है और इसके प्रभाव से योग्य संतान की प्राप्ति तथा पारिवारिक सुख-शांति में वृद्धि होती है।

GOVERNMENT OF JAMMU & KASHMIR (UT)
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MECHANICAL & HOSPITAL DIVISION, DODA

E-NIT No. - MHDD/TS/2025-26/121 DATED: 26-12-2025 Due on: 07-01-2026
Design, Supply, Installation, Testing and Commissioning of 05 KLD Effluent Treatment Plant along with allied Electro Mechanical Components and Civil Works at SDH Atholi Paddar

NOTICE INVITING TENDERS

For and on behalf of the Lt. Governor of Union Territory of J&K tenders through e-Tenders in two cover system on turnkey basis are invited from OEM / Registered Contractors / Firms having sufficient experience for the Supply, Installation, Testing and Commissioning of Effluent Treatment Plant for the work mentioned below:
Status of AAA:- Accorded By Director Health Services Jammu vide Order No 30 - DHSJ/P&S of 2025- 26 Dated 10.10.2025 under endorsementNo. DHSJ/P&S/AAA /2025-26/2685-92 Dated: - 16.12.2025
Status of TS: - Sanctionedvide TS No. 162 of 12/2025 dated. 18-12-2025
Intending Authority: -Department of Health Services.
The critical dates for the tendering process are:

1.	Date of Publicity on website	26-12-2025	16:00 PM
2.	Downloading of tender documents, start date	26-12-2025	16:00 PM
3.	Downloading of tender end date	07-12-2026	12:00 PM
4.	Bid submission start date	26-12-2025	16:00 PM
5.	Bid submission end date	07-12-2026	12:00 PM
6.	Opening of tender (Technical bid)	07-12-2026	14:00 PM

All other details/eligibility criteria and terms and conditions can be downloaded from the website www.jktenders.gov.in. And Queries if any may be made by email at xen-mhddoda@jk.gov.in and should be made by or before 04-12-2025 upto 04:00 PM

S.No.	Description of work	Earnest Money Deposit(EMD)	Cost of tender document	Time of Completion	Estimated Cost	Eligibility Criterion of bidder
01.	Design, Supply, Installation, Testing and Commissioning of 05 KLD Effluent Treatment Plant along with allied Electro Mechanical Components and Civil Works at Atholi Paddar	@2% of the estimated cost	Rs. 500.00	3hg0 days	21.26 Lacs	As per annexure "C" of the SBD

THE NIT CONSISTING OF QUALIFYING INFORMATION, ELIGIBILITY CRITERIA, BILL OF QUANTITIES (BOQ) SETS OF TERMS & OTHER DETAILS CAN BE VIEWED/ DOWNLOADED FROM THE WEBSITE www.jktenders.gov
MHDD/TS/25-26/3588-92 Dated. 26-12-2025

Sd/-
Executive Engineer
Mechanical and Hospital Division
Doda

DIP/J-9466/25
Dtd: 27-12-2025

संपादकीय

सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए

नववर्ष के आगमन के साथ ही माता वैष्णो देवी के पावन धाम में एक बार फिर श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। यह वार्षिक बढ़ोतरी केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन श्रद्धालुओं की गहरी आस्था को दर्शाती है जो वर्ष की शुरुआत देश के सबसे पवित्र धार्मिक स्थलों में से एक में दर्शन कर आशीर्वाद लेने से करते हैं। आने वाले सप्ताह में लगभग दो लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए तैयारियों, सुरक्षा और यात्रा के सुचारू प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाना स्वाभाविक है।

बढ़ती भीड़ अनिवार्य रूप से अतीत की उस दुखद घटना की याद दिलाती है। 1 जनवरी 2022 को कटरा स्थित वैष्णो देवी मंदिर के गेट नंबर-3 के पास हुई भगदड़ में 12 लोगों की जान चली गई थी और 16 अन्य घायल हो गए थे। नववर्ष की पूर्व संध्या पर हुई इस घटना ने भीड़ प्रबंधन में गंभीर खामियों को उजागर किया और यह स्पष्ट किया कि व्यस्त समय में श्रद्धालुओं की अनियंत्रित आवाजाही कितनी जोखिमपूर्ण हो सकती है। यह त्रासदी बड़े धार्मिक आयोजनों के प्रबंधन में किसी भी तरह की लापरवाही के दुष्परिणामों की एक कड़ी चेतावनी है।

इन सबक़ों को ध्यान में रखते हुए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने जिला प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों के समन्वय से इस बार व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया है। कटरा, यात्रा मार्ग और भवन क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है, वहीं भीड़ नियंत्रण के लिए निगरानी और मॉनिटरिंग तंत्र को भी प्रभावी बनाया गया है। प्रतिदिन बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए प्रशासन का यह सक्रिय दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

श्रद्धालुओं की संख्या में पहले ही उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा चुकी है। जहां पहले प्रतिदिन 15,000 से 20,000 श्रद्धालु पहुंच रहे थे, वहीं अब यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 25,000 तक पहुंच गया है। केवल 24 दिसंबर को ही 24,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने यात्रा की, और इसके बाद भी निरंतर भारी आवागमन बना रहा। ये आंकड़े चुनौती की गंभीरता और निरंतर निगरानी की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

मौसम की बदलती परिस्थितियों के बावजूद आवश्यक सेवाएं सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं। कटरा से हेलीकॉप्टर सेवा, भवन मार्ग पर बैटरी कार सुविधा और रोपवे सेवा के संचालन से श्रद्धालुओं की आवाजाही नियंत्रित रखने और यात्रा मार्ग पर भीड़ कम करने में सहायता मिल रही है।

हालांकि, सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है। श्रद्धालुओं को भी संयम बरतना होगा और समय-समय पर जारी की जाने वाली सलाह और निर्देशों का पालन करना होगा। अनावश्यक जल्दबाजी से बचना और निर्धारित मार्गों का अनुसरण करना किसी भी प्रकार की दुर्घटना को रोकने के लिए आवश्यक है।

नववर्ष के दौरान संभावित भारी भीड़ को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वर्ष 2022 की दुखद घटना यह लगातार याद दिलाती है कि थोड़ी-सी चूक भी गंभीर परिणाम ला सकती है। भीड़ नियंत्रण के उपायों का सख्त पालन, समय पर सूचनाओं का प्रसार और श्रद्धालुओं का जिम्मेदार व्यवहार ही यह सुनिश्चित कर सकता है कि यात्रा सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो तथा अतीत जैसी त्रासदियों की पुनरावृत्ति न हो।

मानक पर खरा नहीं उतरने वाली दवाओं से तबाह होती जिंदगी

दवाओं के निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरने के साथ जीवनदायिनी दवाओं के तेजी से बेअसर होना भी एक समस्या होती जा रही है। इसका एक बड़ा कारण जहां एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक सेवन है तो दूसरा कारण दवाएं लेने के तौर-तरीके से अनविज्ञ होना या फिर जानबूझकर लापरवाही बरतने के साथ ही खानपान से जुड़ी गलतियां भी हैं। डॉक्टरों की भाषा में बात करें तो एएमआर यानी कि एंटी माइक्रोबाइल रेजिस्टेंस का चिंतनीय खतरा हो गया है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भले ही यह दावा किया जाता है कि दवाओं की जांच के लिए जो सैंपल लिए जाते हैं उनमें से केवल 3 प्रतिशत दवाएं निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरती पर हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दवा के एक भी नमूने में निर्धारित मात्रा व संयोजन में कंपोनेंट नहीं है तो यह स्वीकार नहीं होनी चाहिए। पिछले कुछ माह के समाचारों का ही विष्लेषण किये जाये तो मध्यप्रदेश, राजसथान सहित देश के कई हिस्सों में खांसी की दवा के चलते बच्चों की जान ना केवल सांसत में आई बल्कि कुछ बच्चों को तो जिंदगी से हाथ धोना पड़ा। हालांकि सफाई दी गई कि दवा डाक्टर ने नहीं लिखी थी या चिकित्सालय से दवा नहीं दी गई थी।

मानक पर खरा न उतरने वाली दवा तैयार कर जीवन से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई नहीं होना उनके हौसले को ही बढ़ाती है। माना जाता है कि नकली पेस्टीसाइड बनाने व बेचने वालों के लिए सख्त सजा का प्रावधान है तो फिर दवाओं के सैंपल फेल हो जाने पर उन बेची गई दवाओं को बाजार से हटाने की बात तो कर दी जाती है पर किसी दवा निर्माता को दवाओं के सैंपल विफल होने पर सजा मिलने के समाचार दिखाई नहीं देते। गत पांच सालों में 14 हजार से अधिक दवाओं के सैंपल विफल हुए हैं। इनमें से अधिकांश बुखार, खांसी के साथ ब्लड प्रेशर, शुगर जैसी गंभीर बीमारियों की दवा भी है। अब कल्पना की जा सकती है कि बीपी या शुगर के बीमार पर ऐसी दवाओं का क्या असर होता होगा या हो सकता है।

सामान्य से गंभीर बीमारी की दवाओं के सैंपल विफल होना इस बात का साफ संकेत है कि दवा निर्माताओं में ना तो मरीजों के प्रति गंभीरता है और ना ही किसी कानूनी कार्रवाई का डर। यह तो वह आंकड़े हैं जो सामने आ जाते हैं नहीं तो बाजार में आने वाली दवाओं के सभी के सभी बैच के सैंपल जांच के लिए लेना या जांच करना संभव भी नहीं तो व्यावहारिक भी नहीं लगता। ऐसे में अमानक पाये जाने पर कठोर कार्रवाई लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वालों में भय व सबक सिखा सकती है।

दवाओं के निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरने के साथ जीवनदायिनी दवाओं के तेजी से बेअसर होना भी एक समस्या होती जा रही है। इसका एक बड़ा कारण जहां एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक सेवन है तो दूसरा कारण दवाएं लेने के तौर-तरीके से अनविज्ञ होना या फिर जानबूझकर लापरवाही बरतने के साथ ही खानपान से जुड़ी गलतियां भी हैं। डॉक्टरों की भाषा में बात करें तो एएमआर यानी कि एंटी माइक्रोबाइल रेजिस्टेंस का चिंतनीय खतरा हो गया है। देश-विदेश के चिकित्सक एएमआर को वैश्विक महामारी का नाम देने लगे हैं। देखा जाए तो आज सबसे अधिक मौत का कारण दवाओं का बेअसर होना है। कोरोना के बाद तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग बहुत अधिक बढ़ा है।

दरअसल कोरोना के बाद जहां एक और आम व्यक्ति स्वास्थ्य के प्रति अत्यधिक सजग हुआ है तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग भी बढ़ा है। सर्दी, जुकाम, खांसी आदि वायरल बीमारियों में यदि भारत की बात की जाए तो 95 प्रतिशत तक एंटीबायोटिक दवाओं को इलाज में शामिल किया जा रहा है। यह 95 प्रतिशत का आंकड़ा अतिशयोक्ति पूर्ण भले ही हो सकता है पर इसमें कोई दो राय नहीं कि चिकित्सकों द्वारा एंटीबायोटिक दवाएं धड़ल्ले से लिखी जा रहा है। यह तो तब है जब मेडिकल से जुड़े विभिन्न मंचों व शोध निष्कर्षों में यह खुलासा हो चुका है कि एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक उपयोग स्वास्थ्य को नुकसान ही पहुंचाने लगा है तो दूसरी और बैक्टिरिया में प्रतिरोधी क्षमता विकसित होने से दवाओं का असर कम होने लगा है।

दवाओं के तेजी से बेअसर होने को लेकर देश-दुनिया के स्वास्थ्य विशेषज्ञ अत्यधिक चिंता में हैं। मेडिकल से जुड़े जर्नल द लैसेंट में इस संबंध में एक के बाद एक चेतावनी भरे लेख सामने आ रहे हैं। यहां तक कि एएमआर को मेडिकल इंमरजेंसी के रुप में देखा जाने लगा है। दरअसल कोरोना के बाद लोग थोड़ा सा स्वास्थ्य खराब होते ही डॉक्टर की शरण में जाने को वरियता देने लगे है। यह अच्छी बात भी है पर जिस तरह से कोरोना के दौरान और उसके बाद एंटीबायोटिक का उपयोग अधिक बढ़ा है वह चिंतनीय हो गया है। हालात यहां तक हो गए हैं कि प्रति व्यक्ति 30 प्रतिशत अधिक मात्रा में एंटीबायोटिक का उपयोग होने लगा है। दवाओं का बेअसर होने का सीधा असर किडनी, लीवर, ब्रैन, हार्ट आदि प्रभावित होने लगे हैं। इन गंभीर बीमारियों में एंटीबायोटिक दवाओं का असर कम होने लगा है।

इसे सकारात्मक ही माना जाएगा कि आज लोग स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग हुए हैं। जरा सा स्वास्थ्य गड़बड़ाने लगते ही लोग दवाओं का सहारा लेना आरंभ कर देते हैं। ऐसे में दवाओं की गुणवत्ता और मानकों पर खरा होना अधिक आवश्यक हो जाता है। दूसरी और अत्यधिक एंटिबायोटिक लिखने और सेवन को भी नियंत्रित किया जाना जरुरी हो जाता है। ऐसा नहीं है कि सरकार इन हालातों से अनजान है बल्कि सरकार गंभीर प्रयास करने के साथ ही सख्त कानूनी प्रावधानों की दिशा में बढ़ रही है। दवाओं के पैकिंग पर असली नकली की पहचान के लिए क्यूआर कोड लगाने जैसी कदम उठा रही हैं पर निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरने वाले बैच की दवाओं को उपयोग से बाहर करने के सीमित कदम के स्थान पर निर्माता पर सख्त से सख्त कार्रवाई के प्रावधान होने ही चाहिए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

रेल पटरियों पर वन्य जीवों से जुड़े हादसों को रोका जाना जरूरी

– डॉ सत्यवान सौरभ

दिसंबर 2025 में असम के होजाई ज़िले में सात हाथियों की रेल की टक्कर से हुई मौत साधारण हादसा नहीं थी। यह घटना भारत के विकास मॉडल और पर्यावरणीय संवेदनशीलता के बीच बढ़ते टकराव का प्रतीक बनकर सामने आई। तेज़ रफ्तार ट्रेन की चपेट में आकर न केवल हाथियों की जान गई, बल्कि इंजन और कई डिब्बों के पटरी से उतरने से यह भी स्पष्ट हुआ कि ऐसी घटनाएँ केवल वन्यजीवों के लिए ही नहीं, बल्कि मानव जीवन और सार्वजनिक संपत्ति के लिए भी गंभीर खतरा हैं।

हाथी भारत का राष्ट्रीय धरोहर पशु है और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I में संरक्षित है। इसके बावजूद, हर वर्ष रेलवे ट्रैक पर हाथियों की मौतें यह सवाल उठाती हैं कि क्या हमारा विकास सचमुच सतत है या वह प्रकृति की कीमत पर आगे बढ़ रहा है। सरकारी आँकड़ों के अनुसार, पिछले दो दशकों में सैकड़ों हाथी ट्रेन दुर्घटनाओं में मारे जा चुके हैं, जिनमें असम, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड सबसे अधिक प्रभावित राज्य हैं।

भारत में रेलवे लाइनों, राष्ट्रीय राजमार्गों, बिजली ट्रांसमिशन लाइनों और अन्य रेखीय अवसंरचनाओं का तेज़ी से विस्तार हुआ है। यह विस्तार आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक माना गया, किंतु समस्या तब उत्पन्न होती है जब ये परियोजनाएँ वनों, घास के मैदानों और आर्द्र भूमियों को बिना पर्याप्त पारिस्थितिक योजना के काटती हुई आगे बढ़ती हैं। रेलवे ट्रैक विशेष रूप से घातक सिद्ध होते हैं क्योंकि ट्रेनें न तो दिशा बदल सकती हैं और न ही अचानक रुक सकती हैं। दूसरी ओर, हाथियों की दृष्टि क्षमता सीमित होती है और उनका भारी शरीर तेज़ प्रतिक्रिया में बाधक बनता है।

हाथी बड़े भूभाग में विचरण करने वाले जीव हैं और भोजन, पानी तथा प्रजनन के लिए पारंपरिक प्रवासी मार्गों पर निर्भर रहते हैं। जब रेलवे लाइनें इन गलियारों को काट देती हैं, तो हाथियों के सामने ट्रैक पार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। दुर्भाग्य से, अनेक दुर्घटना-प्रवण क्षेत्र आज भी आधिकारिक रूप से 卐हाथी गलियारे卐

घोषित नहीं किए गए हैं। असम का होजाई क्षेत्र इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है, जहाँ वर्षों से हाथियों की नियमित आवाजाही के बावजूद कानूनी संरक्षण का अभाव रहा है।

दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण ट्रेनों की अत्यधिक गति भी है। पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में भी ट्रेनों की रफ्तार 90 से 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक रहती है। इतनी गति पर हाथियों को देखकर ट्रेन रोक पाना लगभग असंभव हो जाता है। अस्थायी गति प्रतिबंध और चेतावनियाँ प्रायः कागज़ी साबित होती हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि रेलवे संचालन में अभी भी पर्यावरणीय सुरक्षा की तुलना में समय और दक्षता को अधिक प्राथमिकता दी जाती है।

दृश्यता की समस्या भी इन दुर्घटनाओं को बढ़ाती है। अधिकांश हाथी-रेल टकराव रात या तड़के होते हैं, जब कोहरा, वर्षा या घनी वनस्पति के कारण ट्रेन चालकों की दृष्टि सीमित हो जाती है। असम और पूर्वोत्तर भारत में यह स्थिति और भी गंभीर है, जहाँ मौसम की अनिश्चितता सामान्य बात है। इसके अतिरिक्त, रेलवे ट्रैक स्वयं हाथियों को आकर्षित करते हैं। यात्रियों द्वारा फेंका गया खाद्य अपशिष्ट, नमकयुक्त मिट्टी और पटरियों के आसपास पकती फसलें हाथियों को जोखिम वाले क्षेत्रों की ओर खींचती हैं, विशेषकर फसल कटाई के मौसम में।

रेलवे ट्रैक का डिज़ाइन भी कई बार समस्या को बढ़ाता है। ऊँचे तटबंध, कंक्रीट की दीवारें और बाड़ें हाथियों को ट्रैक पर फँसा देती हैं। शावक जल्दी बाहर नहीं निकल पाते, जिससे पूरा झुंड धीमा हो जाता है और दुर्घटना की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। इसके साथ ही, वन विभाग और रेलवे के बीच समुचित समन्वय की कमी भी एक बड़ी चुनौती है। गश्ती दल द्वारा हाथियों की उपस्थिति की सूचना अक्सर समय पर रेलवे नियंत्रण कक्ष तक नहीं पहुँच पाती, जिससे दुर्घटनाएँ रोकी नहीं जा पातीं।

हर बड़ी दुर्घटना के बाद जाँच, मुआवज़ा और अस्थायी प्रतिबंध जैसे कदम उठाए जाते हैं, किंतु ये सभी प्रतिक्रियात्मक उपाय हैं। पर्यावरण प्रभाव आकलन अक्सर औपचारिकता बनकर रह जाता है और परियोजना स्वीकृति के बाद पशु व्यवहार में आए परिवर्तनों को गंभीरता से नहीं लिया जाता। आवश्यकता इस बात की है कि संरक्षण को विकास की राह में बाधा नहीं, बल्कि उसका अनिवार्य हिस्सा माना जाए।

हाथियों की सुरक्षा के लिए सभी ज्ञात प्रवासी गलियारों को कानूनी संरक्षण देना आवश्यक है, चाहे वे पहले से अधिसूचित हों या नहीं। ऐसे सभी क्षेत्रों में स्थायी गति सीमा लागू की जानी चाहिए। तकनीकी समाधान के रूप में॑ढ्व आधारित इंट्रूज़न डिटेक्शन सिस्टम, जो हाथियों की गतिविधि पहचानकर समय से ट्रेन चालकों को चेतावनी देते हैं, अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो सकते हैं। इन प्रणालियों का सीमित प्रयोग पर्याप्त नहीं है; इन्हें राष्ट्रव्यापी स्तर पर अपनाने की आवश्यकता है।

इसके साथ ही, वैज्ञानिक रूप से डिज़ाइन किए गए अंडरपास, ओवरपास और मिट्टी के रैंप हाथियों के सुरक्षित पारगमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार, ऐसे ढाँचों से हाथियों की मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी संभव है। पटरियों के किनारे फलदार पेड़ों की कटाई, नियमित सफाई और ट्रेनों में शून्य-कचरा नीति अपनाना भी उतना ही आवश्यक है। 卐प्लान बी卐 जैसी योजनाएँ, जिनमें मधुमक्खियों की आवाज़ से हाथियों को दूर रखा जाता है, व्यवहारिक और मानवीय समाधान प्रस्तुत करती हैं।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव बताते हैं कि जब संरक्षण को गंभीरता से लिया जाता है, तो विकास और वन्यजीवन के बीच संतुलन संभव है। कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड जैसे देशों ने वन्यजीव पारगमन संरचनाओं और कठोर गति नियंत्रण से दुर्घटनाओं में भारी कमी लाई है। भारत भी इन मॉडलों को अपनी परिस्थितियों के अनुरूप अपना सकता है।

हाथियों की मौत केवल नैतिक विफलता नहीं है, बल्कि आर्थिक नुकसान भी है। ट्रेन दुर्घटनाएँ, मानवीय क्षति, संपत्ति का नुकसान और सेवा बाधाएँ— इन सबकी लागत निवारक उपायों से कहीं अधिक होती है। अंततः, रेलवे ट्रैक पर हाथियों की मौत तकनीकी नहीं, बल्कि नीतिगत असफलता का परिणाम है।

भारत को यह तय करना होगा कि उसका विकास प्रकृति को रौंदते हुए आगे बढ़ेगा या उसके साथ सह-अस्तित्व स्थापित करेगा। पर्यावरण-प्रथम इंजीनियरिंग, कानूनी संरक्षण और तकनीकी नवाचार के माध्यम से ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि प्रगति की रेलगाड़ी, वन्यजीवन को कुचलती न चले।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

राज्यों के हालिया निकाय चुनाव नतीजों के संदेश

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्यभर में 30 से अधिक रैलियां कीं जबकि ठाकरे बंधु अपने महल से बाहर ही नहीं निकले।

भाजपा की अरुणाचल विजय: सुदूर सीमावर्ती राज्य अरुणाचल प्रदेश के निकाय चुनावों में भी भाजपा ने जिला परिषद् और ग्राम पंचायत की अधिकांश सीटों पर जीत प्राप्त की और अपना दबदबा कायम रखा।

भाजपा ने 245 सीटों में से 170 सीटों पर जीत दर्ज की जिनमें से 59 सीटों पर निर्विरोध विजय हुई। यहां के ग्रामीण इलाकों में भी भाजपा ने मजबूत उपस्थिति दर्ज की, जिसमें ग्राम पंचायत की 8,208 सीटों में से 6,085 सीटों पर जीत दर्ज की है।

-मृत्युंजय दीक्षित

राजधानी दिल्ली के नगर निगम चुनाव से आरम्भ हुआ भाजपा गठबंधन का विजय रथ अब केरल, महाराष्ट्र, अरुणाचल और गोवा तक पहुंच गया है।

हाल में महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश और गोवा में निकाय चुनावों के परिणाम भाजपा के पक्ष में आए। इससे पहले केरल के चुनाव परिणाम आए, जिसमें केरल की राजधानी तिरुअनंतपुरम में पहली बार भाजपा का मेयर बना, जिसकी चर्चा पूरे भारत में हो रही है। महाराष्ट्र और अरुणाचल के नतीजे कई मायने में महत्वपूर्ण हैं।

महाराष्ट्र में 288 नगर परिषद् और नगर पंचायतों के चुनाव में महायुति ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया। भाजपा ने कुल 3325 सीटों पर विजय प्राप्त करके कुल पार्षदों का 48 प्रतिशत अपने नाम किया है।

नगर परिषद् अध्यक्षों में से करीब 75 प्रतिशत महायुति के हैं। जिनमें सबसे बड़ा योगदान भाजपा का है। भाजपा ने साल 2017 के निकाय चुनाव में 1602 सीटों पर विजय प्राप्त की थी जबकि अबकी बार दोगुनी से भी अधिक 3,325 सीटें जीतने में सफलता प्राप्त की।

भाजपा को महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों में भी भारी सफलता मिली है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का कहना हे कि साल 2014 से लेकर अभी तक भाजपा शहरी पार्टी मानी जाती थी किंतु अब भाजपा महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपना दबदबा बढ़ा रही है।

आज महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन अपनी अंतिम सांसें गिनता दिखाई पड़ रहा है।

मुंबई नगर निगम के लिए उद्धव और राज हाथ मिला चुके हैं। अगर कुछ अन्य शेष बड़े नगर निगमों में भी विपक्षी गठबंधन जीत नहीं पाता तो वह बुरी तरह से बिखर सकता है।

महाराष्ट्र में भाजपा की सफलता का सबसे अधिक श्रेय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को जाता है जबकि शिवसेना (उद्धव गुट) अपनी दुर्गति के लिए स्वयं दोषी है। शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे ने जिन उद्देश्यों के लिए शिवसेना का गठन किया था उससे वह पूरी तरह से भटक चुकी हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अमानवीय अत्याचारों पर शिवसेना (उद्धव गुट) के मुंह में ताला लगा है। वो बांग्लादेश की घटनाओं की निंदा तक नहीं कर पा रही है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्यभर में 30 से अधिक रैलियां कीं जबकि ठाकरे बंधु अपने महल से बाहर ही नहीं निकले।

भाजपा की अरुणाचल विजय: सुदूर सीमावर्ती राज्य अरुणाचल प्रदेश के निकाय चुनावों में भी भाजपा ने जिला परिषद् और ग्राम पंचायत की अधिकांश सीटों पर जीत प्राप्त की और अपना दबदबा कायम रखा। भाजपा ने 245 सीटों में से 170 सीटों पर जीत दर्ज की जिनमें से 59 सीटों पर निर्विरोध विजय हुई। यहां के ग्रामीण इलाकों में भी भाजपा ने मजबूत उपस्थिति दर्ज की, जिसमें ग्राम पंचायत की 8,208 सीटों में से 6,085 सीटों पर जीत दर्ज की है। राजधानी ईटानगर के नगर निगम में भी भाजपा ने 20 मे से 14 सीटों पर विजय प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है यहां नगर परिषद की 59 सीटों पर भाजपा विजयी रही। चुनाव परिणामों से गदगद भाजपा के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि राज्य में एनडीए के मजबूत प्रदर्शन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और विकसित अरुणाचल के दृष्टिकोण के प्रति जनता का दृढ़ समर्थन झलकता है।

गोवा में भी भाजपा की विजय: गोवा में भी जिला पंचायत चुनाव 2025 के सभी परिणाम सामने आ चुके हैं। ये चुनाव बैलेट बाक्स के माध्यम से हुए थे किंतु यहां भी भाजपा को विजय प्राप्त हुई और कांग्रेस व सहयोगी दलों को करारी पराजय का सामना करना पड़ा। गोवा की 50 सीटों के लिए हुए जिला पंचायत चुनाव में भाजपा गठबंधन 30 से अधिक सीटें जितने में सफल रहा। यह विजय भाजपा के लिए शुभ संकेत है। गोवा में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केरजीवाल यहां पूरा दम लगा रहे हैं और जनता से कह रहे हैं कि कांग्रेस को वोट मत देना क्योंकि उनके विधायक भाजपा में शामिल हो जाते हैं। शेष अन्य दल गोवा में सुस्त पड़े हैं।

भाजपा की जीत का यह दौर जारी रहने वाला है क्योंकि कांग्रेस का रेडियो 卐वोट चोरी卐 पर रुक गया है। देश का जनमानस कांग्रेस व राहुल गांधी को चुनाव परिणामों के जरिये बार-बार संदेश दे रहा है किंतु ये अपनी राजनीतिक रणनीति सुधारने को तैयार नहीं हैं। विदेशों में जाकर भारत की आलोचना कर रहे हैं। उन्हें अभी भी यह अंदाजा नहीं है कि देश के जनमानस को यह अब हरगिज रास नहीं आता। भारतीय जनता की आकांक्षाएं और अपेक्षाएं बदल चुकी हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जूनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगी 26 राज्यों और 6 केंद्रशासित प्रदेशों की 70 टीमें

एजेंसी

नई दिल्ली। 44वीं जूनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप 2025-26 का आयोजन 31 दिसंबर 2025 से 4 जनवरी 2026 तक गुंजूर, बेंगलुरु स्थित अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम में किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के 26 राज्यों और 6 केंद्रशासित प्रदेशों की लगभग 70 टीमें भाग लेंगी, जिनमें करीब 35 बालक और 35 बालिका टीमें शामिल होंगी। लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, पुदुचेरी, चंडीगढ़, दादरा एवं नगर हवेली तथा दिल्ली इस चैंपियनशिप में भाग लेने वाले केंद्रशासित प्रदेश हैं। इसके अतिरिक्त, कोल्हापुर, विदर्भ और मध्य भारत जैसे मान्यता प्राप्त खो-खो संघों का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमें भी खिताब की दौड़ में होंगी। प्रतियोगिता का आयोजन लीग-कम-नॉकआउट प्रारूप में किया जाएगा। पिछले संस्करण की चैंपियन महाराष्ट्र टीम पर इस बार भी सभी की निगाहें टिकी होंगी। महाराष्ट्र ने 25 से 29 नवंबर तक अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) में आयोजित 43वीं जूनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप में बालक और बालिका–दोनों वर्गों में खिताब अपने नाम किए थे।

एशेजः बॉक्सिंग डे टेस्ट में एमसीजी में रिकॉर्ड भीड़, साल 2015 वर्ल्ड कप फाइनल का रिकॉर्ड टूटा

मेलबर्न। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेले जा रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन इतिहास रच दिया गया। एशेज सीरीज़ के इस मुकाबले के पहले दिन स्टेडियम में कुल 94,199 दर्शक मौजूद रहे, जो एमसीजी में किसी भी क्रिकेट मैच के लिए अब तक की सबसे बड़ी भीड़ है। इस रिकॉर्ड भीड़ के साथ ही साल 2015 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप फाइनल का रिकॉर्ड टूट गया, जब ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के बीच खेले गए फाइनल मुकाबले में 93,013 दर्शक एमसीजी पहुंचे थे। इसके अलावा, टेस्ट क्रिकेट के एक दिन में सबसे अधिक दर्शकों की संख्या का भी नया रिकॉर्ड बन गया। इससे पहले यह रिकॉर्ड साल 2013 के बॉक्सिंग डे टेस्ट (ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड) के पहले दिन का था, जब 91,112 दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे। इस साल बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन की रिकॉर्ड भीड़ के साथ-साथ दूसरे और तीसरे दिन के टिकट पहले ही पूरी तरह बिक चुके हैं। ऐसे में साल 2013 में बना एशेज सीरीज़ का कुल दर्शक संख्या रिकॉर्ड 2,71,865 को तोड़ने की पूरी संभावना बन गई है। मौजूदा एशेज सीरीज़ में ऑस्ट्रेलिया 3-0 से आगे चल रहा है और बॉक्सिंग डे टेस्ट के बाद सिडनी में एक आखिरी टेस्ट मैच खेला जाना है।

विजय हजारे ट्रॉफीः विराट कोहली ने जड़ा तूफानी अर्धशतक

नई दिल्ली। विजय हजारे ट्रॉफी के एलीट चरण में दिल्ली और गुजरात के बीच खेले गए मुकाबले में विराट कोहली ने एक और शानदार अर्धशतक जड़ते हुए अपनी फॉर्म का दमदार प्रदर्शन किया। बेंगलुरु में खेले गए इस मैच में कोहली ने 61 गेंदों पर 77 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें उनका अर्धशतक महज 29 गेंदों में पूरा हुआ। 37 वर्षीय विराट कोहली ने अपनी पारी के दौरान 11 चौके और एक छक्का लगाया। वह अंततः बाएं हाथ के स्पिनर विशाल बी जायसवाल की गेंद पर स्टंप आउट हुए, जहां विकेट के पीछे उर्विल पटेल ने उन्हें आउट किया। इससे पहले पिछले मुकाबले में विराट कोहली ने 15 साल बाद विजय हजारे ट्रॉफी में वापसी करते हुए शानदार शतक जड़ा था। आंध्र प्रदेश के खिलाफ खेले गए मैच में कोहली ने 101 गेंदों पर 131 रनों की पारी खेली थी, जिसकी बदौलत दिल्ली ने 4 विकेट से जीत दर्ज की थी। उसी मुकाबले में कोहली ने पुरुष लिस्ट-ए क्रिकेट में 16,000 रन पूरे करने का ऐतिहासिक कारनामा भी किया। उन्होंने यह उपलब्धि अपनी 330वीं पारी में हासिल कर सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ते हुए इस मुकाम तक सबसे तेज़ पहुंचने वाले बल्लेबाज़ बने। विराट कोहली अब 10,000 रन के बाद लिस्ट-ए क्रिकेट में हर 1000 रन के आंकड़े तक सबसे तेज़ पहुंचने वाले बल्लेबाज़ का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर चुके हैं।

भारतीय फुटबॉल को बड़ा झटकाः सिटी फुटबॉल ग्रुप ने मुंबई सिटी एफसी से किया किनारा

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल को एक और बड़ा झटका लगा है। सिटी फुटबॉल ग्रुप (सीएफजी) ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब मुंबई सिटी एफसी में अपनी हिस्सेदारी से बाहर निकलने का फैसला किया है। क्लब ने बयान जारी कर इसकी पुष्टि की। मुंबई सिटी एफसी ने अपने बयान में कहा, 'मुंबई सिटी एफसी यह पुष्टि करता है कि सिटी फुटबॉल ग्रुप लिमिटेड (सीएफजी) ने क्लब में अपनी हिस्सेदारी बेच दी है। अब क्लब के संस्थापक मालिक आगे से संगठन का पूर्ण नियंत्रण संभालेंगे।' बयान में कहा गया कि 2019 से सीएफजी के जुड़ने के बाद मुंबई सिटी एफसी ने नई ऊंचाइयों को छुआ। इस दौरान क्लब ने दो बार आईएसएल लीग विनर्स शील्ड और दो बार आईएसएल कप का खिताब जीता। साथ ही क्लब के फुटबॉल संचालन को मज़बूती मिली और भारत में खेल के विकास में भी अहम योगदान दिया गया। सीएफजी ने यह फैसला व्यापक व्यावसायिक समीक्षा के बाद लिया है। क्लब के अनुसार, आईएसएल के भविष्य को लेकर जारी अनिश्चितता इस निर्णय की एक बड़ी वजह रही। बयान में कहा गया, 'यह कदम सीएफजी के अनुशासित और रणनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

फिडे विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिपः पांच राउंड के बाद गुकेश, एरिगैसी और कार्लसन संयुक्त बढ़त में

एजेंसी

दोहा। फिडे विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप के पहले दिन खेले गए पाँच राउंड के बाद भारत के मौजूदा क्लासिकल विश्व चैंपियन डी. गुकेश, अर्जुन एरिगैसी और विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर काबिज हैं। तीनों के 4.5 अंक हैं। उनके साथ मैक्सिम वाशिए-लाग्रेव और व्लादिस्लाव आर्तेमिएव भी समान अंकों के साथ संयुक्त लीड में हैं। मैग्नस कार्लसन ने पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने शुरुआती चार मुकाबले आसानी से जीत लिए, लेकिन पाँचवें और अंतिम राउंड में अर्जुन एरिगैसी ने उन्हें ड्रॉ पर रोक दिया। इस मुकाबले के बाद दोनों खिलाड़ियों के 4.5-4.5 अंक हो गए। क्वीन गैंबिट डिक्लाइंड में खेले गए इस मुकाबले में खेल जल्दी ही बराबरी के क्वीन और रूख एंडगेम में पहुंच गया।

कार्लसन ने जीत के लिए लगातार दबाव बनाया और अंत में दो अतिरिक्त 'एफ' और 'एच' पॉन के साथ रूख एंडिंग तक पहुंचे। हालांकि यह स्थिति सैद्धांतिक रूप से ड्रॉ मानी जाती है और कमजोर पक्ष से सटीक खेल की मांग करती है, जिसे एरिगैसी ने बेहतरीन ढंग से निभाया और कार्लसन को पहले दिन का परफेक्ट स्कोर नहीं बनाने दिया। मुंबई में हाल ही में हुई ग्लोबल चेस लीग में साधारण प्रदर्शन के बाद डी. गुकेश ने यहां शानदार वापसी की। पहले राउंड में ड्रॉ खेलने के बाद उन्होंने लगातार चार मुकाबले जीते और संयुक्त बढ़त में शामिल हो गए। डिफेंडिंग विश्व रैपिड चैंपियन, रूस के 18 वर्षीय वोलोदार मुर्ज़िन के लिए पहला दिन मुश्किल भरा रहा। वह सिर्फ दो अंक ही जुटा सके। दूसरे राउंड में उन्हें हमवतन रुडिक मकारियन के हाथों हार का सामना करना पड़ा, इसके बाद उन्होंने दो और मुकाबले गंवाए। पांचवें राउंड में जीत के साथ उन्होंने थोड़ी वापसी की, लेकिन 2/5 अंकों के साथ 2024 में न्यूयॉर्क में जीता खिताब बचाने की उनकी संभावनाएं कमजोर नजर आ रही हैं।

ऑल इंडिया लीगल फ्रैटर्निटी क्रिकेट : दिल्ली ब्लूज और डास्का फाइनल में

एजेंसी

प्रयागराज। दिल्ली ब्लूज और डीएएससीए (डास्का) ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर 29वीं ऑल इंडिया लीगल फ्रैटर्निटी क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बना ली। दिल्ली ब्लूज के ऑफ स्पिन गेंदबाज जतिन कपूर (4-0-28-5) घातक गेंदबाजी का प्रदर्शन किया जबकि चंडीगढ़ के हर्ष भांगू का शतकीय प्रयास (108 रन, 50 गेंद, दस चौके, 9 छक्के) व्यर्थ हो गया। एनसीआर रेलगांव मैदान पर पहले सेमीफाइनल में राजस्थान ने 20 ओवर में 137 रन (चिराग शर्मा 79, कुशल अग्रवाल 25, शिखर चौधरी 4-25, कुशाग्र शर्मा 2-17, नवदीप रमन, विवान शर्मा, अक्षदीप व सागर एक-एक विकेट) बनाए। जवाब में डास्का ने 15 ओवर में एक विकेट पर 138 रन (सनी 50 रिटायर्ड, मुकेश चौहान 50 रिटायर्ड, मोहित गुप्ता 1-34) बना लिए। शिखर चौधरी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच में अरुण कुमार व मोहम्मद नबी अंपायर एवं आशीष भारतीय स्कोरर रहे। डीएसए मैदान पर खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मैच में दिल्ली ब्लूज ने 6 विकेट पर 255 रन (शक्ति भाटी 79, रतुल शर्मा 76, निमिष चंद्रा 37, सावन सैनी, देवेन्दर मंदेर 3-31, गुरमन सुल्लर 2-52) बनाए। जवाब में चंडीगढ़ की टीम 18.5 ओवर में 199 रन (हर्ष भांगू 108, नवदीप सिंह 22, जतिन कपूर 5-28, केपी भामला 2-38) पर सिमट गई। जतिन कपूर को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच में राहुल सिंह व अभिषेक मिश्र ने अंपायरिंग एवं खुर्शीद अहमद ने स्कोरिंग की। आयोजन सचिव अंशुमान विधु चंद्रा के अनुसार फाइनल मुकाबला सुबह 11 बजे से रेलगांव मैदान पर खेला जायेगा। मैच के बाद समापन समारोह में फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल मुख्य अतिथि होंगे जबकि रानीगंज (प्रतापगढ़) के पूर्व विधायक राम शिरोमणि शुक्ला एवं बार काउंसिल उत्तर प्रदेश के सदस्य देवेंद्र मिश्र 'नगराहा' विशिष्ट अतिथि रहेंगे।

प्रीमियर लीगः न्यूकैसल पर 1-0 की जीत के साथ मैनचेस्टर यूनाइटेड पाँचवें स्थान पर

एजेंसी

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने खेले गए साल के एकमात्र बॉक्सिंग डे मुकाबले में न्यूकैसल यूनाइटेड को 1-0 से हराकर प्रीमियर लीग अंक तालिका में पाँचवें स्थान पर छलांग लगा दी। यूनाइटेड के लिए पैट्रिक डॉर्गु ने पहले हाफ में निर्णायक गोल दागा। रूबेन अमोरिम के मार्गदर्शन में खेल रही मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इस जीत के साथ 18 मैचों में 29 अंक हासिल कर लिए हैं। वहीं न्यूकैसल यूनाइटेड 23 अंकों के साथ 11वें स्थान पर बना हुआ है। लीग के बाकी मुकाबले शनिवार और रविवार को खेले जाएंगे।मैच का एकमात्र गोल 24वें मिनट में आया। डियोगो डालोट के लंबे थ्रो को न्यूकैसल की रक्षा पंक्ति पूरी तरह साफ नहीं कर पाई और गेंद पैट्रिक डॉर्गु के पास जा गिरी।

डेनमार्क के इस खिलाड़ी ने 15 गज की दूरी से जोरदार वॉली लगाते हुए गेंद को गोलपोस्ट के निचले बाएं कोने में पहुंचा दिया। यह डॉर्गु का मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए पहला गोल रहा। दूसरे हाफ में

न्यूकैसल ने बराबरी के लिए जोर लगाया, खासकर अंतिम मिनटों में, लेकिन यूनाइटेड की मजबूत रक्षापंक्ति को भेदने में वह नाकाम रहा। खास बात यह रही कि मैनचेस्टर यूनाइटेड इस मैच में अपने कई अहम खिलाड़ियों के बिना उतरा था। कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस चोट के कारण बाहर थे, जबकि ब्रायन एम्ब्यूमो और अमाद डियालो अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में व्यस्त हैं। यह मुकाबला 43 वर्षों में बॉक्सिंग डे पर खेला गया सबसे कम प्रीमियर लीग मैचों वाला दिन भी रहा। आमतौर पर बॉक्सिंग डे पर दर्शकों को कई बड़े मुकाबले देखने को मिलते हैं, लेकिन इस बार परंपरा से हटकर सिर्फ एक ही शीर्ष स्तरीय मैच खेला गया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 से बाहर हुए जैक ड्रेपर, चोट के कारण लिया बड़ा फैसला

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। ब्रिटेन के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने पुष्टि की है कि वह अगले महीने होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में हिस्सा नहीं लेंगे। ड्रेपर ने यह फैसला अपनी चोट से पूरी तरह उबर न पाने के कारण लिया है।

विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज 24 वर्षीय ड्रेपर को अगस्त में यूएस ओपन के दौरान बाएं हाथ में बोन ब्रूज़िंग की समस्या हुई थी, जिसके चलते उन्हें दूसरे दौर से ही टूर्नामेंट से हटना पड़ा था। इसके बाद से वह लगातार रिकवरी प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। ड्रेपर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा, 'दुर्भाग्य से, मैंने और मेरी टीम ने इस साल ऑस्ट्रेलिया न जाने का फैसला किया है। यह मेरे लिए बेहद मुश्किल फैसला रहा।' ब्रिटिश नंबर-1 खिलाड़ी ने बताया कि यह चोट उनके करियर की अब तक की सबसे जटिल और चुनौतीपूर्ण चोट रही है।

उन्होंने कहा, 'यह चोट मेरे

करियर की सबसे कठिन रही है, लेकिन अजीब बात यह है कि इसने मुझे और मजबूत बनाया है।,' जैक ड्रेपर अब फरवरी में वापसी का लक्ष्य रख रहे हैं और मार्च में होने वाले इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में अपने खिताब की रक्षा की तैयारी करेंगे। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 का आयोजन 18 जनवरी से मेलबर्न में किया जाना है, जिसमें ड्रेपर की गैरमौजूदगी एक बड़ा झटका मानी जा रही है।

इंग्लैंड ने मेलबर्न टेस्ट में रचा इतिहास, 15 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में जीता टेस्ट

एजेंसी

मेलबर्न। इंग्लैंड ने लगभग 15 साल और लगातार 18 मैचों के इंतजार को खत्म करते हुए ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट जीत दर्ज की। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेले गए बॉक्सिंग डे टेस्ट में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर एशेज सीरीज में बड़ी उपलब्धि हासिल की। मुश्किल पिच पर मिले 175 रन के लक्ष्य को इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने आक्रामक अंदाज में हासिल किया।

यह टेस्ट इतिहास में महज पांचवां मौका था जब किसी सीरीज में दो-दो दिन में खत्म होने वाले एक से अधिक मैच खेले गए। ऑस्ट्रेलिया में इससे पहले केवल दो बार ऐसा हुआ था। दो दिनों में रिकॉर्ड 1.86 लाख से ज्यादा दर्शकों की मौजूदगी के बावजूद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को इस टेस्ट से आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा, हालांकि इंग्लैंड के लिए यह जीत कहीं ज्यादा मायने रखती थी

क्योंकि टीम एक और क्लीन स्वीप से बचने में सफल रही।

इंग्लैंड की जीत में जैकब बेथेल ने अहम भूमिका निभाई। इस टेस्ट के लिए टीम में लौटे बेथेल ने 40 रन की उपयोगी पारी खेली और अपनी प्रतिभा की झलक दिखाई। हालांकि उनके आउट होने के बाद इंग्लैंड को थोड़ी घबराहट का सामना करना पड़ा। जो रूट एलबीडब्ल्यू हुए और बेन स्टोक्स मिशेल स्टार्क की गेंद पर आउट हो गए, लेकिन अंत में चार लेग बाई ने इंग्लैंड को जीत दिला दी। यह ऑस्ट्रेलिया में 1932 के बाद पहला टेस्ट था जिसमें कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक नहीं लगा सका। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में केवल 132 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए कप्तान बेन स्टोक्स और ब्राइडन कार्स ने सात विकेट साझा किए, जबकि जोश टंग ने दो विकेट झटके। गस एटकिंसन के हैमस्ट्रिंग चोट के कारण मैदान छोड़ने के बावजूद इंग्लैंड के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। 175 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत आक्रामक रही। जैक क्रॉली और बेन डकेट ने सात ओवर में ही 51 रन जोड़कर दबाव खत्म कर दिया। डकेट ने मिशेल स्टार्क को पहली ही गेंद पर बाउंड्री लगाई, जबकि क्रॉली ने माइकल नेसर के ओवर में बड़ा शॉट खेलकर मैच का रुख इंग्लैंड की ओर मोड़ दिया।

रेलवे के अंतर विभागीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में कार्मिक विभाग सेमीफाइनल में

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में लहरतारा स्थित पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेडियम में चल रही अंतर विभागीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में कार्मिक विभाग ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। प्रतियोगिता में अंतिम क्वार्टर फाइनल मैच कार्मिक और सिग्नल विभाग के बीच खेला गया। सिग्नल विभाग की टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 19.1 ओवर में 116 रन बनाए । सिग्नल विभाग की तरफ से गिरिजा कुमार ने 25 बाल पर तीन चौकों की मदद से 25 रन, अनुराग मिश्रा ने 9 बाल पर तीन चौके और एक छक्के की मदद से 20 रन और वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर यशवीर सिंह ने 31 बाल पर एक चौके की मदद से 20 रन बनाए । कार्मिक विभाग की तरफ से मृगेन्द्र ने 3.1 ओवर में 17 रन देकर तीन विकेट, सुनील ने चार ओवर में 13 रन देकर तीन विकेट,अनिल ने चार ओवर में 22 रन देकर दो विकेट लिए और अमित को एक विकेट प्राप्त हुआ । 117 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कार्मिक विभाग की टीम ने वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिनव कुमार सिंह के विस्फोटक बल्लेबाजी 39 बाल पर पांच चौके और चार छक्कों की मदद से 63 रन की बदौलत 18.1 ओवर में 5 विकेट पर 118 रन बनाकर पांच विकेट से मैच जीत लिया। अभिनव सिंह के अतिरिक्त अनिल ने 1 एक चौके की मदद से 18 रन तथा प्रभाकर ने एक चौके के की मदद से 11 रन बनाए । सिग्नल विभाग की तरफ से धर्मेन्द्र ने तीन ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिए। अनुराग और संदीप को एक-एक विकेट प्राप्त हुआ।

एटकिंसन की चोट से इंग्लैंड को बड़ा झटका, हैमस्ट्रिंग पकड़कर मैदान से बाहर

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी इकाई को एक और बड़ा झटका लगा है। बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान छोड़कर बाहर चले गए।

एटकिंसन ने दूसरे दिन सुबह नाइटवॉचमैन स्कॉट बोलैंड को आउट कर इंग्लैंड को शुरुआती सफलता दिलाई थी, लेकिन अपनी पांचवीं ओवर की आखिरी गेंद डालते समय वह असहज दिखे। उन्होंने लगभग 61 मील प्रति घंटे (98 किमी/घंटा) की रफ्तार से गेंद फेंकी और तुरंत अपनी बाईं हैमस्ट्रिंग पकड़ ली। इसके बाद वह सीधे ड्रेसिंग रूम की ओर चले गए, जहां उनका मेडिकल आकलन किया गया। उनकी जगह ओली पोप ने सब्स्टीट्यूट फील्डर के तौर पर मैदान संभाला। लंच के बाद एटकिंसन मैदान

पर वापस नहीं लौटे और अब उनका सिडनी में होने वाले पांचवें टेस्ट में खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। इंग्लैंड टीम के प्रवक्ता ने बताया, 'गस एटकिंसन को गेंदबाजी के दौरान बाईं हैमस्ट्रिंग में जकड़न महसूस हुई है। अगले कुछ घंटों में उनकी स्थिति का आकलन किया जाएगा।' पहले दिन एटकिंसन ने 14 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट झटके थे। उल्लेखनीय है कि इसी साल इंग्लैंड में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान भी वह दाईं हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सीमित टेस्ट ही खेल पाए थे। जिम्बाब्वे के खिलाफ लगी चोट के बाद वह सीरीज से बाहर हो गए थे। एशेज सीरीज में उन्होंने पहले दो टेस्ट में तीन विकेट लिए थे, लेकिन एडिलेड टेस्ट से बाहर कर दिए गए थे। इसके बाद उन्हें एमसीजी में खेले जा रहे चौथे टेस्ट के लिए वापस बुलाया गया। एटकिंसन की चोट ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी के लिए ताजा झटका है। अनुभवी तेज गेंदबाज मार्क वुड पहले टेस्ट में सिर्फ 11 ओवर डालने के बाद घुटने की चोट के चलते स्वदेश लौट चुके हैं, जबकि जॉफ्रा आर्चर साइड स्ट्रेन के कारण आखिरी दो टेस्ट से बाहर हो गए हैं।

लखनऊ में प्रदेश स्तरीय जूनियर हॉकी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

एजेंसी

लखनऊ। मोहम्मद शाहिद हाकी स्टेडियम, लखनऊ में प्रदेश स्तरीय जूनियर बालक हॉकी प्रतियोगिता 2025-26 का विधिवत शुभारंभ किया गया। उद्घाटन अवसर पर हॉकी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष आरपी सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता के पहले दिन शुक्रवार को कई मुकाबले खेले गए, जिनमें लखनऊ हॉस्टल और स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ ने अपने-अपने मैचों में प्रभावशाली जीत दर्ज की। लखनऊ हॉस्टल ने आगरा मंडल को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से पराजित किया। मैच के दौरान टीम ने पेनल्टी कॉर्नर और फील्ड गोल के माध्यम से लगातार बढ़त बनाए रखी।

वहीं, स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ ने मेरठ मंडल को 7-0 से हराकर प्रतियोगिता में मजबूत शुरुआत की। अन्य मुकाबलों में स्पोर्ट्स हॉस्टल वाराणसी ने अलीगढ़ मंडल पर 2-0 से जीत दर्ज की, जबकि बस्ती मंडल ने आजमगढ़ मंडल को 4-0 से परास्त किया।

इसके अलावा लखनऊ मंडल ने देवीपाटन मंडल को 5-0 से शिकस्त दी। स्पोर्ट्स हॉस्टल झांसी ने अयोध्या मंडल को 6-1 से मात दी। वहीं कानपुर मंडल और बरेली मंडल के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ।दिन के एक अन्य मुकाबले में वाराणसी मंडल और प्रयागराज मंडल के बीच मुकाबला बराबरी पर रहा। प्रतियोगिता पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक खेल एवं हॉकी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. आरपी सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश हॉकी के महासचिव रजनीश मिश्रा, ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ललित उपाध्याय, उप क्रीड़ा अधिकारी रंजीत राज तथा अरविंद कुशवाहा भी मौजूद रहे। ओलंपिक पदक विजेता ललित उपाध्याय ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं युवाओं को आगे बढ़ने का मंच देती हैं और खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत व अनुशासन के साथ खेलते रहना चाहिए।

मीडिया क्रिकेट प्रतियोगिताः गर्दे एकादश की जीत में पंकज का हरफनमौला प्रदर्शन

एजेंसी

वाराणसी। मैन आफ द मैच पंकज चौबे के हरफनमौला प्रदर्शन (14 रन देकर एक विकेट एवं 36 रन) की मदद से गर्दे एकादश ने लालजी एकादश को चार विकेट से हराकर 38वीं कनिष्कदेव गोरावाला स्मृति मीडिया क्रिकेट प्रतियोगिता में शानदार जीत दर्ज की। सिगरा खेल स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लालजी एकादश ने 20 ओवरों में 6 विकेट पर 114 रन बनाए। चंद्रप्रकाश ने नाबाद 30 रन बनाए। अजीत ने 20 और देवेश ने 14 रनों का अंशदान किया। अभिषेक मिश्रा, संतोष सिंह, रबीश श्रीवास्तव, पंकज चौबे और आशीष शुक्ला को एक-एक सफलता हाथ लगी। जवाब में खेलने उतरी गर्दे एकादश ने 16.5 ओवरों में 6 विकेट खोकर जीत के लिए जरूरी 115 रन बना लिए । पंकज चौबे ने 46 गेंद पर चार चौके की मदद से 36 रन और वरुण ने दो चौकों की मदद से 14 रन बनाए। अभिषेक मिश्रा 12 रन बनाकर नाबाद लौटे। श्रीमान अतिरिक्त का 38 रनों का योगदान रहा। प्रारम्भ में मुख्य अतिथि समाजसेवी अवधेश पाठक ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। मैच में अम्पायरिंग मनोहर तथा कृष्णा ने की। खेल संयोजक कृष्ण बहादुर रावत के अनुसार शनिवार को पूर्वाह्न 10.30 बजे यहां पराड़कर एकादश का सामना ईश्वरदेव मिश्र एकादश से होगा।

सूरज शर्मा ने जीते सीनियर और जूनियर 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल राष्ट्रीय खिताब

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के सूरज शर्मा ने 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल (आरएफपी) पुरुष वर्ग में सीनियर और जूनियर दोनों राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किए। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित इस प्रतियोगिता में सूरज ने पहले जूनियर फाइनल में 30 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता और बाद में सीनियर फाइनल में भी दबदबे के साथ खेलते हुए 31 हिट्स के साथ दूसरा खिताब हासिल किया। सीनियर फाइनल में सूरज ने दमदार शुरुआत करते हुए अपने पहले 20 में से 19 निशाने साधे और कुल 31 हिट्स के साथ मुकाबला समाप्त किया। वह पंजाब के डिफेंडिंग चैंपियन विजयवीर सिद्धू से तीन हिट्स आगे रहे, जिन्हें 28 हिट्स के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। राजस्थान के भावेश शेखावत ने 24 हिट्स के साथ कांस्य पदक जीता। अंकुर गोयल 14 हिट्स के साथ चौथे स्थान पर रहे। उन्हें आंध्र प्रदेश के मुकेश नेलावल्ली के खिलाफ लगातार तीन शूट-ऑफ खेलने पड़े, जिसके बाद मुकेश 12 हिट्स के साथ पांचवें स्थान पर रहे। हरियाणा के आदर्श सिंह ने पांच हिट्स के साथ छठा स्थान हासिल किया।

क्वालिफिकेशन राउंड में अंकुर गोयल ने 582-20× के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था। विजयवीर सिद्धू 580-18× के साथ दूसरे स्थान पर रहे

जबकि आदर्श सिंह ने 579-22× के साथ तीसरा स्थान पाया। मुकेश नेलावल्ली 579-17× के साथ चौथे स्थान पर रहे। बाद में स्वर्ण पदक जीतने वाले सूरज शर्मा ने 579-12× के साथ पांचवें स्थान पर क्वालिफाई किया था, जबकि भावेश शेखावत ने 577-22× के साथ शीर्ष छह में जगह बनाई। जूनियर पुरुष आरएफपी फाइनल में भी सूरज शर्मा ने संयमित प्रदर्शन करते हुए 30 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता। मुकेश नेलावल्ली ने 25 हिट्स के साथ रजत पदक हासिल किया। हरियाणा के जतिन ने शूट-ऑफ के बाद 22 हिट्स के साथ कांस्य पदक जीता। समीर 17 हिट्स के साथ चौथे, भाव्या शर्मा आठ हिट्स के साथ पांचवें और अभिनव चौधरी छह हिट्स के साथ छठे स्थान पर रहे। सीनियर टीम स्पर्धा में पंजाब ने 1725 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। टीम में विजयवीर सिद्धू, उधयवीर सिद्धू और राजकंवर सिंह संधू शामिल थे। हरियाणा ने 1722 के स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया जबकि नेवी ने 1711 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। जूनियर टीम वर्ग में हरियाणा ने 1705 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। मध्य प्रदेश ने 1689 के साथ रजत और नेवी ने 1667 के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिताएं स्थित एमपी स्टेट शूटिंग अकादमी में जारी रहेंगी, जहां 50 मीटर राइफल थ्री पोज़ीशंस महिला फाइनल आयोजित किए जाएंगे। दिन का पहला फाइनल सुबह 9:00 बजे शुरू होगा।

एनसीसीएफ ने दिल्ली एनसीआर में 19 रुपये किलो पर प्याज की खुदरा बिक्री शुरू की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्याज की कीमतों के दबाव से उपभोक्ताओं को राहत दिलाने के लिए उपभोक्ता मामले विभाग की पहल के तहत राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता-महासंघ (एनसीसीएफ) ने दिल्ली-एनसीआर में प्याज की खुदरा बिक्री 19 रुपये प्रति किलो के भाव पर शुरू की है। यह जानकरी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में दी गयी। एनसीसीएफ ने दिल्ली-एनसीआर में 16 जगहों पर नियंत्रित दर से प्याज की खुदरा बिकी की सुविधा शुरू की है। इस समय दिल्ली में प्याज 25-35 रुपये किलो के भाव में बिक रही है। विभाग ने कहा है कि इस पहल से प्याज किसानों के लिए उचित प्रतिफल भी सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस बिक्री के लिए नासिक से लाए गए प्याज को विकिरण प्रौद्योगिकी से उपचारित कर कोल्ड स्टोरेज में रखा गया है। एनसीसीएफ की प्रबंध निदेशक एनिस जोसेफ चंद्रा ने कहा, 'यह पहल दिखाती है कि आधुनिक स्टोरेज तकनीकें कीमतों में उतार-चढ़ाव से निपटने, आपूर्ति में स्थिरता लाने और उपभोक्ताओं तक उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की पहुंच बेहतर बनाने में कैसे मदद कर सकती हैं। यह एक संतुलित दृष्टिकोण है जिससे उपभोक्ताओं को महंगाई से बचाने और साथ ही किसानों की आय की सुरक्षा की जा सकती है।

एलआईसी ने ग्रामीण भारत में पहुंच बढ़ाने के लिए सहज इंश्योरेंस सर्विसेज के साथ किया करार

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बीमा पहुंच को मजबूत करने के लिए सहज इंश्योरेंस सर्विसेज के साथ एक रणनीतिक सहयोग की घोषणा की है। इस सहयोग के तहत कानोरिया फाउंडेशन की कंपनी सहज का सहायक डिजिटल सेवा नेटवर्क एलआईसी के जीवन बीमा उत्पादों और सेवाओं तक पहुंच को सुगम बनायेगा। इससे लोगों को पॉलिसियों के बारे में समझने, पॉलिसी लेने और उसके प्रबंधन में मदद मिलेगी, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां बीमा के प्रति जागरूकता पारंपरिक रूप से कम रही है। एलआईसी के क्षेत्रीय प्रबंधक सौमेंद्रनाथ बंदोपाध्याय ने कहा, 'एलआईसी हमेशा समाज के हर वर्ग तक जीवन बीमा सुरक्षा पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। सहज इंश्योरेंस सर्विसेज के साथ हमारा यह सहयोग हमें ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में और गहराई तक पहुंचने में मदद करेगा, जिससे अधिक लोग एलआईसी के सुरक्षा और भरोसे का लाभ उठा सकेंगे। ' सहज इंश्योरेंस सर्विसेज के निदेशक बिस्वजीत चटर्जी ने कहा, 'एलआईसी के साथ यह सहयोग बीमा तक पहुंच को सार्वभौम बनाने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है। एलआईसी की विश्वसनीय विरासत को अंतिम छोर तक पहुंच और सहायक डिजिटल मॉडल के साथ जोड़कर, हमारा लक्ष्य बीमा को सरल, अधिक सुलभ और वास्तव में समावेशी बनाना है। '

भारत की आर्थिक वृद्धि अनुमानों से कहीं बेहतर होगी: गोल्डमैन सैक्स

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर काम करने वाले अमेरिका के निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स के एक ताजा अनुमान के अनुसार भारत अगले दो वर्ष तक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा और देश की वृद्धि की रफ्तार वैश्विक स्तर पर लगाये जा रहे अनुमानों से बेहतर होगी। इस प्रतिष्ठित बैंकिंग की प्रकाशित मैक्रोइकोनॉमिक आउटलुक (वृहत आर्थिक परिदृश्य) रिपोर्ट के 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वास्तविक (स्थिर कीमत पर) वृद्धि 6.7 प्रतिशत और 2027 में 6.8 प्रतिशत रह सकती है। यह धीमी पड़ रही वैश्विकअर्थव्यवस्था के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के बढ़ते जुझारूपन और संरचनात्मक शक्ति को दिखाता है। रिपोर्ट के अनुसार भारत की वृद्धि के बारे में ये अनुमान अधिकांश विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी ऊपर हैं। भारत से इस तरह के प्रदर्शन की उम्मीद ऐसे समय में है जबकि कड़ी वित्तीय स्थितियों, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और लगातार व्यापार बाधाओं के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि धीमी होने के आसार हैं। गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि 2026 में वैश्विक अर्थव्यवस्था लगभग 2.8 प्रतिशत की अपेक्षाकृत स्थिर लेकिन मामूली गति से बढ़ेगी, जो मौजूदा अनुमानों से थोड़ी अधिक है। अनुमान में यह सुधार मुख्य रूप से महंगाई में कमी और वित्त बाजार की स्थिति के धीरे-धीरे सामान्य होने को देखते हुए है।

नीदरलैंड में स्थानीय निवासियों ने टाटा स्टील से मांगा 1.4 अरब यूरो का जुर्माना

मुंबई। नीदरलैंड के वेल्सन-नूरड के निवासियों ने टाटा स्टील पर स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए 1.4 अरब यूरो (लगभग 148 अरब रुपये) के हर्जाने की मांग के लिए मुकदमा दायर किया है। टाटा स्टील ने गुरुवार देर रात शेयर बाजारों को बताया कि नेल्सन-नूर्ड के निवासियों के संगठन स्टिचिंग फ्रिस विंड.एनयू (एसएफडब्ल्यू) ने हारलेम स्थित उत्तरी हॉलैंड की जिला अदालत में यह मुकदमा दायर किया है। मामले में टाटा स्टील नीदरलैंड बी.वी. और टाटा स्टील इज्मुदेन को समन जारी किये गये हैं। टाटा स्टील ने आरोपों को 'निराधार' बताते हुए खारिज कर दिया है। आरोप है कि कंपनी के संयंत्रों के कारण स्थानीय निवासियों के लिए स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ गये हैं। टाटा स्टील ने कहा है कि एसएफडब्ल्यू ने आरोपों के समर्थन में कोई प्रमाण पेश नहीं किया है जिससे उसके दावों में तथ्यों की कमी है और ये सिर्फ कल्पना पर आधारित हैं।

कोयला और लिग्नाइट की खदानें खोलने के लिए मंजूरी प्रक्रिया में बदलाव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोयला और लिग्नाइट खदानों को खोलने से संबंधित अनुमोदन प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए नियमों को संशोधित कर दिया है। सरकार ने कोयला खनन संचालन शुरू करना और आसान बनाने के लिए आधिकारिक तौर पर कोलियरी कंट्रोल (संशोधन) नियम, 2025 को अधिसूचित कर दिया है। कोयला मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि अब सरकार ने इस प्रक्रिया में दोहराव कम करने, कोयला उत्पादन बढ़ाने और अनुमोदन प्रक्रिया सुगम बनाने के लिए नियम-9 को संशोधित कर दिया है। अब खदानों या उनकी परत को खोलने की मंजूरी संबंधित कोयला कंपनी के निदेशक मंडल से ही ली जा सकती है। मंत्रालय के मुताबिक इन संशोधनों से प्रक्रियात्मक दोहराव हटाकर संचालन

को तेज करने की सुविधा मिलेगी, जबकि नियामकीय निगरानी जारी रहेगी। मंत्रालय ने कहा, 'हालांकि सुरक्षा के तौर पर यह प्रावधान रखा गया है कि संबंधित खदान/परत को खोलने के लिए निदेशक मंडल केवल तभी मंजूरी देगा जब केंद्रीय/राज्य सरकार और अन्य वैधानिक निकायों की आवश्यक मंजूरी प्राप्त हो। ' कोयला मंत्रालय ने कहा कि इस बदलाव से खदान संचालन की समय-सीमा में करीब दो महीने तक की कटौती की उम्मीद है। नियमों में यह बदलाव संचालन संबंधी निर्णयों को कंपनी निदेशक मंडल तक स्थानांतरित करता है, जबकि नियामकीय निगरानी और वैधानिक सुरक्षा बनाए रखता है। मंत्रालय ने कहा कि इस संशोधन से दक्षता बढ़ाने, कोयला उत्पादन में तेजी लाने और कोयला नियामकीय ढांचे में विश्वास मजबूत होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि कोलियरी नियंत्रण नियम, 2004 के नियम-9 के तहत खदान मालिकों को किसी भी खदान या उसकी परत को खोलने से पहले कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ) की मंजूरी लेनी होती थी। यदि कोई खदान 180 दिन या उससे अधिक समय के लिए बंद रहती थी तो दोबारा संचालन शुरू करने के लिए भी यह मंजूरी होती थी।

टाइटन समूह मुंबई में खोलेगी प्रयोगशाला में बने हीरे का पहला स्टोर

एजेंसी

मुंबई। देश की अग्रणी आभूषण निर्माता एवं लाइफस्टाइल उत्पादन बनाने वाली कंपनी टाइटन ने प्रयोगशाला में बने हीरे के कारोबार में प्रवेश करने के साथ मुंबई में अपना पहला स्टोर खोलने की घोषणा की है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वह 'बीऑन- फ्रॉम द हाउस ऑफ टाइटन' ब्रांड नाम से 29 दिसंबर को मुंबई में अपना एक स्टोर खोलेगी। इसका मकसद घड़ियों, साड़ियों, इत्र और हैंडबैग से आगे जीवन शैली श्रेणियों में महिलाओं की आभूषण संबंधी जरूरतों को पूरा करना है। ' देश की अग्रणी आभूषण निर्माता टाइटन ने कहा कि 'बीऑन' ब्रांड प्रयोगशाला में बने हीरे के आभूषणों की एक चयनित श्रृंखला पेश करेगा। इस उभरती श्रेणी में शुरुआत करते हुए निकट भविष्य में टाटा समूह द्वारा संचालित मुंबई और दिल्ली में दो और स्टोर को जोड़ने की योजना है। कंपनी ने कहा कि पिछले दो से तीन वर्षों में भारत में प्रयोगशाला में बने हीरे का बाजार तेजी से बढ़ा है।

एनएसई का मार्केट कैप 469 लाख करोड़ रुपये के पार, पूंजी निर्माण में भी बड़ा उछाल

एजेंसी

मुंबई। शेयर बाजार में दिग्गज कंपनियों में पैसा लगाने वाले निवेशकों के लिए वर्ष 2025 पिछले साल के मुकाबले बेहतर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी वर्ष 2025 में बढ़कर 23,645 से 25,966 पर पहुंच गया, जो लगभग 9.8 फीसदी की बढ़त है। वहीं, एनएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 439 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 469 लाख करोड़ पर पहुंच गया, जो करीब 6.8 फीसदी की बढ़त को दर्शाता है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ने वर्ष 2025 के अपने सालाना आंकड़ें जारी किए हैं। शेयर बाजार के दोंनो प्रमुख सूचकांकों ने 9-10 फीसदी का रिटर्न दिया। हालांकि, छोटी कंपनियों में निवेशकों को नुकसान उठाना झेलना पड़ा है। एनएसई के 19 दिसंबर 2025 तक जारी आकड़ों के मुताबिक दुनिया में चल रही आर्थिक उठा-पटक के बावजूद भारत के घरेलू शेयर बाजार में उत्कृष्ट मजबूती देखने को मिली। इक्विटी बाजार, पूंजी निर्माण और निवेशकों की भागीदारी, तीनों ही मोर्चों पर बढ़त

देखने को मिली। एनएसई के आकड़ों के मुताबिक 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी वर्ष 2025 में बढ़कर 23,645 से 25,966 पर पहुंच गया, जिसमें लगभग 9.8 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है। वहीं, एनएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 439 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 469 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो करीब 6.8 फीसदी की बढ़त को दर्शाता है। एनएसई का मार्केट कैप और सकल घरेलू उत?पाद (जीडीपी) का अनुपात 136 फीसदी रहा, जो पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग स्थिर बना रहा। आकड़ों के मुताबिक इक्विटी, डेट और बिजनेस ट्रस्ट के जरिए कुल 19.17 लाख करोड़ रुपये का फंड जुटाया गया, जो कि वर्ष 2024 के 17.89 लाख करोड़ रुपये से लगभग 7 फीसदी ज्यादा रहा। इक्विटी से कुल 4.12 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए, जबकि डेट के जरिए 14.72 लाख करोड़ रुपये आए। इस तरह डेट निर्माण में करीब 10 फीसदी की बढ़त दर्ज हुई। इसके अलावा वर्ष 2025 में 101 मेनबोर्ड आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 1.71 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए। वहीं, 112 एसएमई आईपीओ से 5,589 करोड़ रुपये का फंड आया।

कोल इंडिया ने सीएमडी बी. साईराम को कंपनी का सीईओ नियुक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। देश एवं सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के निदेशक मंडल ने चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बी साईराम को कंपनी का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। ये निर्णय कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में लिया गया। सीआईएल ने बॉम्?बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) को दी जानकारी में बताया, ''सीआईएल के निदेशक मंडल ने 26 दिसंबर को हुई अपनी बैठक में अन्य बातों के साथ-साथ चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बी. साईराम को सीआईएल का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है।'' कंपनी ने कहा कि यह निर्णय हुई कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में लिया गया। सीएमडी और सीईओ की दोहरी भूमिका में साईराम की नियुक्ति कोयला क्षेत्र की इस दिग्गज कंपनी में तेज और प्रभावी प्रबंधन को बढ़ावा देने

के केंद्र सरकार के प्रयासों को दर्शाती है। ये नियुक्ति महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि सीआईएल ने महत्वपूर्ण खनिज विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए वित?त वर्ष 2025-26 में 87.5 करोड़ टन उत्पादन लक्ष्य को पूरा करने के प्रयासों को तेज कर दिया है। उल्लेखनीय है कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) देश की सबसे बड़ी और सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनी है, जो भारत के कुल कोयला उत्पादन के बड़े हिस्से (करीब 82-84 फीसदी) की आपूर्ति करती है। यह देश की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिसे भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के तहत एक महारत्न पीएसयू का दर्जा हासिल है।

प्रह्लाद जोशी ने उपभोक्ता सुरक्षा बढ़ाने के लिए अगरबत्ती के लिए नया बीआईएस स्टैंडर्ड किया जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने उपभोक्ता सुरक्षा और उत्पाद गुणवत्ता बढ़ाने को अगरबत्तियों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो का नया मानक जारी किया।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि प्रल्हाद जोशी ने अगरबत्ती के लिए एक नया इंडियन स्टैंडर्ड नई दिल?ली के भारत मंडपम में नेशनल कंज्यूमर डे-2025 के मौके पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) का भारतीय मानक आईएस 19412:2025 जारी किया।

मंत्रालय ने कहा कि अगरबत्ती के लिए जारी आईएस 19412:2025 स्पेसिफिकेशन नाम का यह स्टैंडर्ड भारतीय मानक ब्यूरो ने विकसित किया है, जिसका मकसद कंज्यूमर सेफ्टी, घर के अंदर की हवा की क्वालिटी और प्रोडक्ट की क्वालिटी को बेहतर बनाना है।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के

मुताबिक नए अधिसूचित मानक में अगरबत्तियों में कुछ कीटनाशक रसायनों और कृत्रिम सुगंधित पदार्थों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है, जो मानव स्वास्थ्य, घर के अंदर की वायु गुणवत्ता और पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इसके लिए भारतीय मानक आईएस 19412:2025 में अगरबत्तियों में उपयोग के लिए प्रतिबंधित पदार्थों की सूची दी गई है। इसमें एलेथ्रिन, परमेथ्रिन, साइपरमेथ्रिन, डेल्टामेथ्रिन और फिप्रोनिल जैसे कुछ कीटनाशक रसायन , साथ ही बेंजाइल साइनाइड, एथिल एक्रिलेट और डाइफेनिलामाइन जैसे कृत्रिम सुगंधित पदार्थ शामिल हैं। इनमें से कई पदार्थ मानव स्वास्थ्य, घर के अंदर की वायु गुणवत्ता और पारिस्थितिकी की सुरक्षा पर संभावित प्रभाव के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित हैं। इस मानक के अनुरूप उत्पाद बीआईएस मानक चिह्न प्राप्त करने के पात्र होंगे, जिससे उपभोक्ता सोच-समझकर निर्णय ले सकेंगे। अगरबंती के लिए जारी आईएस 19412:2025 की अधिसूचना से उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ने, नैतिक और टिकाऊ विनिर्माण प्रक्रियाओं को बढ़ावा मिलने, पारंपरिक आजीविका की रक्षा होने और भारतीय अगरबत्ती उत्पादों की वैश्विक बाजार तक पहुंच बढ़ने की उम्मीद है। यह मानक बीआईएस की सुगंध एवं स्वाद अनुभागीय समिति (पीसीडी 18) द्वारा हितधारक परामर्श के माध्यम से तैयार किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत विश्व में अगरबत्ती का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। इस उद्योग का वार्षिक अनुमानित मूल्य करीब 8,000 करोड़ रुपये है। इसमें लगभग 1,200 करोड़ रुपये का निर्यात 150 से अधिक देशों को किया जाता है। यह क्षेत्र कारीगरों, लघु एवं मध्यम उद्यमों और सूक्ष्म उद्यमियों के एक बड़े समूह विशेष रूप से महिलाओं के लिए ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.36 अरब डॉलर बढ़कर 693.31 अरब डॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे हफ्ते इजाफा हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 दिसंबर को समाप्त हफ्ते में 4.36 अरब डॉलर बढ़कर 693.31 अरब डॉलर हो गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 19 दिसंबर को समाप्त हफ्ते के दौरान देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.368 अरब डॉलर बढ़कर 693.318 अरब डॉलर रहा। इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में 1.69 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी, यह बढ़कर 688.95 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। आरबीआाई के जारी आंकड़ों के मुताबिक 19 दिसंबर को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 1.64 अरब डॉलर बढ़कर 559.43 अरब डॉलर हो गईं।

रिजर्व बैंक ने कहा कि इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.62 अरब डॉलर बढ़कर 110.36 अरब डॉलर पर पहंच गया। आंकड़ों के मुताबिक विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 08 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.74 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित स्थिति भी इस हफ्ते 9.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.78 अरब डॉलर हो गई।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों की बिकवाली, रुपये की कमजोरी, कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और चुनिंदा सेक्टर्स में हुई मुनाफा वसूली की वजह से घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक खरीदारों ने लिवाली का जोर भी बनाया, लेकिन पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया। बिकवाली की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। पूरे दिन का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.43 प्रतिशत और निफ्टी 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान मेटल, कमोडिटी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में रुक-रुक कर खरीदारी होती रही। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल, आईटी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में आज जम कर बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस तथा टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 473.94 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 475 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.06 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,379 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,745 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,455 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 179 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,869 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,106 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान और 1,763 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर बढ़त के साथ और 24 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 16 शेयर हरे निशान में और 34 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

मुंबई। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। सोना आज 300 रुपये प्रति 10 ग्राम से 320 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया है। वहीं चांदी में आज सिर्फ 100 रुपये प्रति किलोग्राम की मजबूती दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,39,260 रुपये से लेकर 1,39,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,27,660 रुपये से लेकर 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में मामूली उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,34,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,39,410 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,39,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,39,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई हैइन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,39,260 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,27,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,39,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,39,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,39,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जीवन सुगमता को बढ़ावा देने के लिए सुधारों की गति और तेज की जाएगी: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि उनकी सरकार जीवन तथा कारोबार में सुगमता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और आने वाले समय में सुधारों की गति और भी तेज होगी। श्री मोदी ने शुक्रवार को यह प्रतिबद्धता जताते हुए एक्स पर सूचनाओं की एक श्रृंखला भी प्रस्तुत की है जिसमें दिखाया गया है कि उनकी सरकार ने इस दिशा में किस प्रकार से कार्य किया है। इसमें आयकर और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कमी, श्रम कानूनों में सुधार और गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के साथ साथ सूक्ष्म , लघु और मझोले उद्यमों की परिभाषा में निवेश और कारोबार की सीमा बढ़ाने जैसे फैसलों का संदर्भ दिया है। प्रधानमंत्री ने पोस्ट में लिखाः ' हमारी सरकार जीवन को सुगम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और नीचे दिए गए लेख में हमने इस दिशा में किए गए कार्यों के उदाहरण दिए हैं। आने वाले समय में हमारी सुधार यात्रा और भी अधिक उत्साह के साथ जारी रहेगी।' उनके इस पोस्ट के साथ जारी निर्णयों की सूची के साथ कहा गया है कि इस सुधार की असली परीक्षा यह है कि क्या यह लोगों के तनाव को कम करता है।

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों की संख्या 10.35 करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली । पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 2025 के दौरान स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच बढ़ाने, ईंधन इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और तेल एवं गैस क्षेत्र में सुधारों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की है। उज्ज्वला योजना से देशभर में स्वच्छ रसोई ईंधन की सुविधा का विस?तार जारी है। इस साल की एक बड़ी बात प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) का विस्तार है, जिसके तहत एक दिसंबर तक स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन तक पहुंच पाने वाले लाभार्थियों की संख्या बढ़कर करीब 10.35 करोड़ हो गई।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि वर्ष 2025 के दौरान राष्ट्रव्यापी बुनियादी सुरक्षा जांच अभियान के माध्यम से उपभोक्ता सुरक्षा को मजबूत किया गया। डिजिटल भुगतान, ईवी चार्जिंग और बहु-ईंधन ऊर्जा स्टेशनों के साथ ईंधन खुदरा अवसंरचना को सुदृढ़ किया गया। सरकार ने लगभग सभी लोगों तक कवरेज पहुंचाने के लिए चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 25 लाख अतिरिक्त एलपीजी कनेक्शन जारी करने की मंजूरी दी। एलिजिबिलिटी प्रोसेस को भी एक सिंगल डेप्रिवेशन डिक्लेरेशन के ज़रिए आसान बनाया गया, जिससे एक्सेस तेज़ और ज़?यादा समावेशी हो गया। अपना घर पहल ट्रक चालकों के लिए सुविधाओं और सड़क सुरक्षा को मजबूत करती है। 25,400 किमी से अधिक का गैस पाइपलाइन नेटवर्क एक राष्ट्र-एक गैस ग्रिड को गति प्रदान कर रहा है। तेल क्षेत्र संशोधन अधिनियम और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियमों से अपस्ट्रीम क्षेत्र में परिवर्तनकारी सुधार किए गए। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय तेल और प्राकृतिक गैस की खोज एवं उत्पादन, शोधन, वितरण एवं विपणन साथ ही इनके आयात, निर्यात एवं संरक्षण के लिए उत्तरदायी है। तेल और गैस भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण स्रोत बने हुए हैं। मंत्रालय ने वर्ष 2025 के दौरान सस्ती ऊर्जा उपलब्धता सुनिश्चित करने, घरेलू उत्पादन बढ़ाने, बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया। पेट्रोलियम मंत्रालय की यह पहल ऊर्जा उपलब्धता, ऊर्जा दक्षता, ऊर्जा स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं। पात्रता प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए पहले की मल्टी प्वांइट स्व-घोषणा प्रणाली के स्थान पर एकल अभाव घोषणा पत्र लागू किया गया, जिससे ईंधन की उपलब्धता तेज और अधिक समावेशी हो गई। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना लाभार्थियों के लिए 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर पर 300 रुपये की लक्षित सब्सिडी के जरिए एलपीजी की सामर्थ्य को बढ़ावा दिया गया। इसमें प्रति वर्ष 9 बार (रिफिल) यानी फिर से भरने की सुविधा है। इस पहल से एलपीजी की खपत में लगातार वृद्धि हुई। प्रति व्यक्ति औसत खपत वर्ष 2019-20 में लगभग तीन रिफिल से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 4.47 रिफिल हो गई और वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान आनुपातिक स्तर पर लगभग 4.85 रिफिल प्रति वर्ष तक पहुंच गई, जो स्वच्छ रसोई ईंधन को निरंतर अपनाने का संकेत है।आकड़ों के अनुसार सब्सिडी के लक्षित वितरण और पारदर्शिता में सुधार के लिए बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण को गति दी गई। बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण ने 01 दिसंबर 2025 तक 71 फीसदी पीएमयूवाई उपभोक्ताओं और 62 फीसदी गैर-पीएमयूवाई उपभोक्ताओं तक पहुंच बनाई। उपभोक्ताओं को सरल मोबाइल-आधारित प्रक्रियाओं के माध्यम से निःशुल्क प्रमाणीकरण पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए नवंबर 2025 में एक विशेष राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरूआत की गई थी। देशव्यापी बुनियादी सुरक्षा जांच अभियान से उपभोक्ता सुरक्षा को मजबूत किया गया।

नेपाल की अंतरिम सरकार का विस्तार, बालानंद शर्मा बने मंत्री

काठमांडू। नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने अपने मंत्रिमंडल में सेना के पूर्व उप प्रमुख ले.ज. बालानंद शर्मा को

शामिल किया। शर्मा ने यहां राष्ट्रपति भवन में आयोजित सादे समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। प्रधानमंत्री बनने के बाद कार्की ने पांचवीं बार अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया है। इसके बाद मंत्रियों की संख्या बढ़कर 15 हो गयी है। विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि शर्मा को विदेश मंत्री बनाया जा सकता है।

जापान में बर्फबारी बनी काल, हाईवे पर भिड़ीं 50 से अधिक गाड़ियां; हादसे में 26 लोग घायल

नई दिल्ली। जापान में साल के अंत की छुट्टियों के दौरान खराब मौसम ने बड़ा हादसा करा दिया। भीषण बर्फबारी के बीच एक एक्सप्रेसवे पर दर्जनों गाड़ियों की आपस में टक्कर हो गई इस हादसे में... जापान में खराब मौसम एक बार फिर लोगों के लिए जानलेवा साबित हुआ है। साल खत्म होने से पहले शुरू हुई छुट्टियों के बीच देश में बर्फबारी ने यातायात व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। इसी बीच जापान के एक प्रमुख हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। यह दुर्घटना जापान की राजधानी टोक्यो से करीब 160 किलोमीटर दूर गुन्मा प्रांत में स्थित कान-एत्सु एक्सप्रेसवे पर हुई। जापान पुलिस के अनुसार, बर्फबारी के कारण सड़क बेहद फिसलन भरी हो गई थी। छुट्टियों के चलते बड़ी संख्या में लोग एक साथ यात्रा पर निकल पड़े थे, जिससे एक्सप्रेसवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

ताइवान को हथियार बेचने के मामले में चीन ने 20 अमेरिकी कंपनियों और 10 अधिकारियों पर लगाए प्रतिबंध

बीजिंग। ताइवान को हथियारों की आपूर्ति को लेकर वाशिंगटन और बीजिंग के बीच तनाव बढ़ गया है। चीन ने हाल के वर्षों में ताइवान को हथियार बेचने में शामिल 20 अमेरिकी रक्षा कंपनियों और 10 वरिष्ठ अधिकारियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इन जवाबी उपायों में चीन के भीतर कंपनियों और वरिष्ठ अधिकारियों की चल और अचल संपत्तियों को फ्रीज करना, चीन में संगठनों और व्यक्तियों को उनके साथ लेनदेन, सहयोग और अन्य गतिविधियों में शामिल होने से रोकना और हांगकांग और मकाऊ विशेष प्रशासनिक क्षेत्रों सहित चीन में अधिकारियों के प्रवेश पर रोक लगाना शामिल है।जिन 20 कंपनियों को निशाना बनाया गया है उनमें नॉर्थ्रोप ग्रुम्मन सिस्टम्स कॉर्पोरेशन, एल3हैरिस मैरीटाइम सर्विसेज और सेंट लुइस स्थित बोइंग शामिल हैं।सूची में शामिल 10 व्यक्तियों में रक्षा फर्म एंडुरिल इंडस्ट्रीज के संस्थापक पामर लकी और एल3हैरिस टेक्नोलॉजीज के उपाध्यक्ष जॉन कैटिलन शामिल हैं।चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ताइवान को अमेरिका द्वारा हथियार देना 'एक-चीन सिद्धांत और चीन-अमेरिका के तीन संयुक्त घोषणाओं का गंभीर उल्लंघन है, चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप है और चीन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करता है। '

भ्रष्टाचार के मामले में मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब को 15 साल की कैद

कुआलालंपुर। मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक को सत्ता के दुरुपयोग के चार मामलों में 15 साल जेल की सज़ा सुनाई गयी। मलेशिया के उच्च न्यायालय ने उन पर 11.4 अरब रिंगिट (2.82 अरब अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना भी लगाया है, जो आरोपों में शामिल रिश्वत की रकम का पांच गुना है। श्री रजाक पर 1मलेशिया डेवलपमेंट बरहाद (1एमबीडी) से जुड़े एक मामले में सत्ता के दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। हवाला कारोबार के 21 अतिरिक्त आरोपों के लिए श्री नजीब को हर आरोप के लिए पांच साल जेल की सज़ा सुनाई गयी है। हालांकि, इस मामले में उन पर कोई जुर्माना नहीं लगाया गया है।पीठासीन न्यायाधीश कॉलिन लॉरेंस सेक्वेरा ने आदेश दिया कि जेल की सभी सज़ाएं एक साथ चलेंगी। गौरतलब है कि जुलाई 2020 में नजीब को सरकारी निवेश कोष 1एमडीबी की पूर्व इकाई एसआरसी इंटरनेशनल से जुड़े सत्ता के दुरुपयोग के लिए 12 साल जेल की सज़ा और 2100 लाख रिंगिट (444 लाख अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया गया था।

ट्रंप-जेलेंस्की शांति वार्ता से पहले रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला, मिसाइल और ड्रोन से कीव दहला

एजेंसी

कीव। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच फ्लोरिडा में होने वाली अहम शांति बैठक से पहले रूस ने यूक्रेन पर बड़ा हमला कर दिया है। 27 दिसंबर को यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस ने ताबड़तोड़ मिसाइल और ड्रोन हमले किए। शहर और आसपास के इलाकों में कई विस्फोटों की आवाज सुनी गई। पिछले चार वर्षों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में यह सबसे महत्वपूर्ण सप्ताहांत माना जा रहा था लेकिन इसकी शुरुआत यूक्रेन की राजधानी कीव में हवाई हमले के सायरनों की आवाज से हुई। मीडिया समूह कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक 7 दिसंबर की रात रूस ने कीव पर कई हाइपरसोनिक मिसाइलें, चार बैलिस्टिक मिसाइलें और कई क्रूज मिसाइलें दागीं, जिसके बाद बड़े पैमाने पर बैलिस्टिक मिसाइल का हमला हुआ। राजधानी और कीव

ओब्लास्ट में कई विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। इस हमले में कीव से लगभग पाँच किलोमीटर उत्तर में स्थित विशहोरोड में एक ऊंची इमारत का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि कीव ओब्लास्ट के बोरिसपिल जिले में कई गोदामों के साथ-साथ दो कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। कीव ओब्लास्ट के गवर्नर मिकोला कलाश्निक ने रूसी हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे पर एक बार फिर हमला हुआ है। पश्चिमी यूक्रेन के इवानो-फ्रांकिवस्क ओब्लास्ट में हुए हमले में एक व्यक्ति घायल हो गया और उसे अस्पताल ले जाया गया। इस बीच, यूक्रेन की वायुसेना ने कई क्षेत्रों में रूसी ड्रोन और मिसाइलों के निरंतर खतरे की चेतावनी दी है। वायु सेना ने कीव और आसपास के इलाकों में ड्रोन सक्रिय पाए। एयर फोर्स के मुताबिक हमलावर ड्रोन कीव शहर के ऊपर देखे गए, जबकि कीव क्षेत्र के वेलिका डिमेरका और पेरेयास्लाव गांव के पश्चिमी इलाकों में भी ड्रोन की गतिविधि दर्ज की गई। रूस के ताजा हमले से पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा था कि ट्रंप के साथ बैठक से शांति समझौते की दिशा में कदम बढ़ सकते हैं। यूक्रेनी और अमेरिकी अधिकारियों द्वारा तैयार किया गया 20-बिंदुओं का शांति प्लान लगभग तैयार है। जबकि अमेरिकी डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि कोई भी शांति समझौता उनकी मंजूरी के बिना लागू नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि पिछले चार साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने की कूटनीतिक कोशिशें के बीच फ्लोरिडा में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की अहम शांति वार्ता होने वाली है। अमेरिका सहित दुनिया के कई देश रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने की हिमायत करते हुए कूटनीतिक कोशिशें कर रहे हैं जिनमें भारत भी शामिल है।

युद्ध खत्म करने के लिए ट्रंप संग बैठक से पहले जेलेंस्की ने रूस के सामने रखी 60 दिनों वाली शर्त

एजेंसी

वॉशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि अगर रूस कम से कम 60 दिनों के लिए सीजफायर पर सहमत होता है, तो वह इस संकट को खत्म करने के लिए एक शांति योजना पर जनमत संग्रह कराने के लिए तैयार हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस के साथ एक फोन इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा कि वह अब भी हालात को बेहतर करने के लिए बातचीत करना चाहेंगे, लेकिन अगर प्लान में इस मुद्दे पर 'बहुत मुश्किल' फैसला लेने की जरूरत पड़ती है, तो उनका मानना है कि आगे बढ़ने का सबसे अच्छा रास्ता पूरे 20-पॉइंट वाली शांति योजना को जनमत संग्रह के लिए रखना होगा। उन्होंने कहा कि वोट कराने के लिए 60 दिन का सीजफायर 'कम से कम' जरूरी है, क्योंकि ऐसे जनमत संग्रह में बड़े राजनीतिक, लॉजिस्टिकल और सुरक्षा से जुड़े पेंच होंगे।जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जब वे रविवार को अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलेंगे तो इस संकट को खत्म करने के लिए एक फ्रेमवर्क पर सहमत होंगे।उन्होंने कहा कि अमेरिका-यूक्रेन के द्विपक्षीय समझौतों के ज्यादातर पहलू अब तय हो गए हैं और उन्हें पांच दस्तावेजों में कोडिफाई किया गया है, हालांकि एक छठा दस्तावेज भी जोड़ा जा सकता है। यूक्रेन में शांति बहाल होने के बाद सुरक्षा गारंटी की अवधि के बारे में अमेरिकी प्रशासन ने 15 साल के समझौते का प्रस्ताव दिया है जिसे रिन्यू किया जा सकता है। जेलेंस्की ने एक्सियोस से कहा, 'मुझे लगता है कि हमें 15 साल से ज्यादा की जरूरत है। 'जेलेंस्की ने आगे कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और यूक्रेन दोनों सुरक्षा गारंटी को मंजूरी के लिए अपनी-अपनी विधायिकाओं के सामने लाएंगे।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो ने अमेरिका से बातचीत की इच्छा जताई, रखी शर्त

एजेंसी

काराकास । वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने आपसी सम्मान के आधार पर अमेरिका के साथ बातचीत करने की इच्छा जताई है। साथ ही एक शर्त भी रखी है। (स्थानीय समयानुसार) को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने एक टेलीवाइज्ड भाषण में अमेरिका के साथ आपसी सम्मान के आधार पर बातचीत की इच्छा जताई है। साथ ही स्पष्ट शर्त रखी कि अमेरिका को वेनेजुएला के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बंद करना होगा। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति का आरोप है कि यूएस, वेनेजुएला सरकार को जानबूझ कर बदनाम कर रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर अमेरिका पिछले 25 सालों के 'असफल हस्तक्षेप' को छोड़कर सम्मान के आधार पर बात करने को तैयार है, तो वेनेजुएला शांति, सहयोग और समृद्धि का रास्ता अपनाएगा।' उन्होंने अमेरिका पर 'वास्तविकता को विकृत करने' और वेनेजुएला के संसाधनों को लूटने की कोशिश का आरोप लगाया। उन्होंने अमेरिकी मीडिया से देश को अच्छी तरह से समझने के बाद असली स्थिति की रिपोर्ट करने का आग्रह किया। महीनों से, संयुक्त राज्य अमेरिका ने तथाकथित 'नारको-आतंकवाद' से लड़ने के बहाने वेनेजुएला के पास कैरेबियन सागर में बड़े पैमाने पर हवाई और नौसैनिक बल तैनात किए हैं। अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ काफी सख्त कदम उठाए हैं। कैरिबियन में बड़े पैमाने पर नौसैनिक तैनाती की है (जिसमें दुनिया का सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट कैरियर शामिल है), कथित ड्रग तस्करी वाली नौकाओं पर हवाई हमले किए हैं, वेनेजुएला के तेल टैंकरों पर ब्लॉकेड/क्वारंटाइन लगाया है और कार्टेल डे लॉस सोल्स (जिसमें मादुरो को शामिल बताया

गया है) को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि ये कदम नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए हैं, लेकिन मादुरो इसे शासन परिवर्तन की कोशिश और वेनेजुएला के तेल संसाधनों पर कब्जे की साजिश मानते हैं। नवंबर 2025 में ट्रंप और मादुरो के बीच एक फोन कॉल हुई थी, जिसे मादुरो ने 'सम्मानजनक और सौहार्दपूर्ण' बताया था, लेकिन कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ।

नेकपा माओवादी के 'कम्युन' पर पुलिस छापा, विस्फोटक सामग्री बरामद

एजेंसी

काठमांडू। नेत्रविक्रम चन्द 'विप्लव' के नेतृत्व वाली नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के अर्घाखांची जिला स्थित 'कम्युन' से विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है।

करीब 10 बजे अर्घाखांची की शितगंगा नगरपालिका-11, बोक्से क्षेत्र में जिला पुलिस प्रमुख डीएसपी दिवस बहादुर जिसी के नेतृत्व में गश्त के दौरान एक पशुशाला से बंदूक और ग्रेनेड समेत कई विस्फोटक पदार्थ बरामद किए गए।

बरामद हथियार और विस्फोटकों में दो बंदूकें, 14 ग्रेनेड, 12 डेटोनेटर, लॉन्चर जैसा दिखने वाला पाइप, पांच लीटर का एक प्रेशर कुकर बम, एक स्टील बम, बिजली के तार के चार बंडल और 50 किलो बारूद शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, विस्फोटक सामग्रियों को शनिवार तड़के नेपाली सेना की सहायता से निष्क्रिय कर दिया गया है। वहीं, नेकपा माओवादी के प्रवक्ता खड्गबहादुर विश्वकर्मा 'प्रकाण्ड' ने कम्युन पर की गई इस कार्रवाई को 'राज्य का आतंक' करार दिया है।

उन्होंने दावा किया कि अर्घाखांची की शितगंगा नगरपालिका-11 स्थित पार्टी द्वारा संचालित कम्युन और आम नागरिकों के घरों पर छापेमारी कर आतंक फैलाया गया है। पार्टी द्वारा जारी विज्ञप्ति में उन्होंने कहा, 'एक ओर सरकार शांतिपूर्ण चुनाव का माहौल बनाने का प्रचार कर रही है, वहीं दूसरी ओर माओवादी के उत्पादन केन्द्रों और आम जनता के घरों पर छापे मार रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि राज्य शांतिपूर्ण समाधान नहीं चाहता, बल्कि देश को अशांति की ओर धकेलना चाहता है। ' उन्होंने इस घटना की निष्पक्ष जांच के लिए मानवाधिकार संगठनों से भी अपील की है।

इजराइल ने सोमालीलैंड को दिया संप्रभु राष्ट्र का दर्जा, तुर्किए और सोमालिया को झटका

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल ने सोमालीलैंड गणराज्य को स्वतंत्र राष्ट्र की मान्यता दे दी है। इजराइल ऐसा करने वाला संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पहला सदस्य देश है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने सोमालीलैंड के राष्ट्रपति अब्दिरहमान मोहम्मद अब्दिलाही के साथ वर्चुअल माध्यम से एक संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर किए हैं। सोमालीलैंड को इजराइल की तरफ से मान्यता दिए जाने से तुर्किए और सोमालिया को झटका लगा है। सोमालिया से साल 1991 अलग हुए सोमालीलैंड काफी समय से राजनयिक मान्यता की कोशिशें करता रहा है। हालांकि उसे अब तक बहुत कामयाबी नहीं मिली थी। इजरायल ने सोमालीलैंड को पूरी तरह से मान्यता दी है लेकिन ब्रिटेन, यूएई, डेनमार्क, कीनिया, ताइवान जैसे देशों से अनौपचारिक राजनयिक संबंध हैं। दी टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक इजराइल सोमालीलैंड गणराज्य को एक स्वतंत्र राज्य के

रूप में मान्यता देने वाला पहला देश बन गया। यह अफ्रीकी क्षेत्र सोमालिया से अलग होने के तीन दशक से अधिक समय बाद हुआ है। इजराइल की ओर से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और विदेश मंत्री गिदोन सार ने घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए, जबकि सोमालीलैंड के राष्ट्रपति अब्दिरहमान मोहम्मद अब्दुल्लाही ने अपने देश की ओर से हस्ताक्षर किए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सोमालीलैंड को इजराइल की तरफ से मान्यता दिए जाने की जानकारी साझा करते हुए कहा कि हम आर्थिक क्षेत्रों, कृषि और सामाजिक विकास के क्षेत्रों में मिलकर काम करने का इरादा रखते हैं। सोमालीलैंड को मान्यता देने संबंधी घोषणा ने सोमालिया और तुर्की को असहज कर दिया है। सोमालिया के विदेश मंत्रालय ने इजरायल के कदम की निंदा करते हुए इसे उसकी संप्रभुता पर किया गया हमला करार दिया। जबकि तुर्किए ने इसे नेतन्याहू सरकार की गैर-कानूनी कार्रवाइयों का एक नया उदाहरण बताया, जिसका मकसद क्षेत्रीय और वैश्विक दोनों स्तरों पर अस्थिरता पैदा करना है। सोमालीलैंड अफ्रीका के हॉर्न क्षेत्र स्थित एक महत्वपूर्ण रणनीतिक क्षेत्र है। सोमालिया से अलग होकर स्वतंत्र रूप से शासन व्यवस्था संभाल रहे इसे अबतक किसी ने स्वतंत्र देश की औपचारिक मान्यता नहीं दी।

नेपाल में बालेन शाह आरएसपी अध्यक्ष लामिछाने के साथ सशर्त आने को तौयार

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू के मेयर बालेन शाह राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने को पार्टी का नेता स्वीकार करते हुए आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। इसके लिए बालेन ने खुद को प्रधानमंत्री का उम्मीदवार बनाने की मांग की है। आरएसपी के प्रवक्ता मनीष झा के अनुसार शाह ने फिलहाल लामिछाने के नेतृत्व में काम करने पर सहमति जता दी है। हालांकि उन्होंने एक अहम शर्त रखी है कि यदि 5 मार्च को प्रस्तावित प्रतिनिधि सभा के चुनाव में बहुमत हासिल होता है, तो उन्हें प्रधानमंत्री बनाया जाए। झा ने कहा है कि लामिछाने ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, जिसके बाद दोनों पक्षों के दूसरे स्तर के नेताओं ने संभावित सहमति बिंदुओं का मसौदा तैयार करना शुरू कर दिया है। संवाद में शामिल नेताओं के अनुसार सहयोग का एक ढांचा तैयार करने पर काम चल रहा है। हालांकि, बातचीत आगे बढ़ने के बावजूद अभी यह स्पष्ट नहीं है कि औपचारिक समझौते पर तुरंत हस्ताक्षर होंगे या नहीं। दोनों टीमों के बीच संभावित साझेदारी की प्रकृति और संरचना को लेकर चर्चा जारी है। समझौते का मसौदा तैयार कर रहे नेताओं ने पहले ही लामिछाने से बातचीत कर ली है, जबकि मेयर शाह नगरसभा की व्यस्तताओं के कारण फिलहाल अपने सहयोगियों को प्रारंभिक तैयारी की जिम्मेदारी सौंपे हुए हैं। आरएसपी की ओर से शिशिर खनाल वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि मेयर शाह की ओर से कुमार ब्यांजंकर (कुमार बेन) समन्वय कर रहे हैं। पूर्व आरएसपी सांसद आशिम शाह भी दोनों नेताओं से करीबी संबंध रखते हुए मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। खनाल ने कहा, 'फिलहाल बालेन रवि को पार्टी अध्यक्ष मानकर आगे बढ़ने को तैयार हैं। उन्हें दूसरे स्तर में रखा जाएगा। कुलमान घिसिंग के साथ भी बातचीत चल रही है।

बीएनपी नेता तारिक रहमान को 'विशेष छूट': बांग्लादेश अवामी लीग का सवाल, 'क्या वो देश के कानून से ऊपर'

एजेंसी

ढाका । पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के बेटे और बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक चेयरमैन तारिक रहमान 17 साल बाद स्वदेश लौटे। उन्हें अवाम ने हाथों हाथ लिया और अंतरिम सरकार ने भी सम्मान में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी। इस बीच अवामी लीग ने मुहम्मद यूनुस सरकार की ओर से उन्हें दी जारी सहूलियतों पर फिक्र जाहिर की और सवाल किया कि क्या वे देश के कानून से ऊपर हैं? रहमान की बांग्लादेश वापसी चुनावी तारीखों के ऐलान के बाद हुई है। चुनाव आयोग ने 11 दिसंबर को ही घोषणा की थी कि देश का 13वां राष्ट्रीय संसदीय चुनाव, जुलाई चार्टर पर जनमत संग्रह के साथ, अगले साल 12 फरवरी को होगा। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार बीएनपी नेता शनिवार को देश के रजिस्टर्ड वोटर बनने के लिए ईसी ऑफिस पहुंचे। उन्होंने इससे संबंधित सभी औपचारिकताएं भी पूरी कीं। अवामी लीग का सवाल इसी को लेकर है। उन्होंने इसे विशेषाधिकार का नाम दिया। पूछा, 'एक बार दोषी ठहराए गए आरोपी तारिक रहमान को अब एक के बाद एक विशेषाधिकार मिल रहे हैं, कानून के बार-बार उल्लंघन से लोगों के मन में गहरे सवाल उठ रहे हैं। जो कानून आम नागरिकों के लिए सख्त और बिना किसी छूट के है - क्या वह तारिक रहमान के मामले में नरम हो जाता है? या असल में वह कानून से ऊपर है? ' पार्टी ने अन्य सुविधाओं का भी जिक्र किया। कहा, 'देश में कदम रखते ही ये मुद्दे साफ दिखने लगे हैं। तय टोल सुविधाओं पर टोल न देना - एक ऐसा अपराध जिसके लिए आम लोगों को बिना किसी सबूत के सजा मिलती है - इसे कैसे नजरअंदाज किया जा रहा है? ' पार्टी ने बांग्लादेशी कानून का हवाला देते हुए कहा कि देश में चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद नए वोटर रजिस्ट्रेशन पर कानूनी रोक है लेकिन रहमान का रजिस्ट्रेशन करा दिया गया। इसके अलावा, पार्टी ने पूछा कि यह प्रक्रिया शनिवार को, जो कि सरकारी छुट्टी का दिन होता है, कैसे पूरी की गई, कानून का पालन कैसे किया गया और किसके निर्देश पर यह किया गया?अवामी लीग के अनुसार, ये घटनाएं अलग-थलग नहीं हैं, बल्कि एक पैटर्न को दिखाती हैं। सवाल उठता है कि क्या रहमान के लिए अलग नियम लागू किए जा रहे हैं? अगर ऐसा है, तो संविधान का वो सिद्धांत जो कहता है 'कानून सभी के लिए समान है' आज की तारीख में कहां ठहरता है? पार्टी ने कहा, 'अपराध कभी छोटा या बड़ा नहीं होता - अपराध, अपराध होता है। अगर सत्ता की ताकत से छोटे अपराधों को वैध बनाया जाता है, तो यह तय है कि बड़े अपराधों को बढ़ावा मिलेगा। कानून तोड़ने का यह विशेष विशेषाधिकार न केवल एक व्यक्ति पर सवाल उठाता है; यह पूरे देश की व्यवस्था को जांच के दायरे में लाता है। ' इस बात पर बल देते हुए कि लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या बांग्लादेश में कानून सच में सभी के लिए समान है।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच युद्धविराम, समझौते पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

चांथाबुरी । थाईलैंड के रक्षा मंत्री नत्थापोन नाकपानिच और कंबोडिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री टी सिया ने शनिवार को थाईलैंड के चांथाबुरी प्रांत में एक बॉर्डर चेकपॉइंट पर सीजफायर समझौते पर साइन किए। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने तीसरी स्पेशल कंबोडिया-थाईलैंड जनरल बॉर्डर कमेटी की बैठक के जॉइंट स्टेटमेंट के ड्राफ्ट के कंटेंट पर थाईलैंड के साथ सहमति बना ली है, जिसमें आसियान ऑब्जर्वर भी शामिल थे। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीजफायर बातचीत शनिवार को स्थानीय समय के अनुसार सुबह करीब 9.40 बजे थाईलैंड के चंथाबुरी प्रांत में एक बॉर्डर चेकपॉइंट पर शुरू हुई। जुलाई में सीजफायर टूटने के बाद 8-9 दिसंबर को हिंसा बढ़ गई, जिसमें थाईलैंड ने फाइटर जेट और तोपखाने से हमले किए और कंबोडिया ने रॉकेट दागकर जवाब दिया। थाईलैंड-कंबोडिया सीमा के विवादित हिस्सों में झड़पों की खबरें आई हैं, खासकर डांगरेक पर्वत श्रृंखला के आसपास, जो उत्तर-पूर्वी थाईलैंड और उत्तरी कंबोडिया तक फैली हुई है। यह सीमा क्षेत्र कई प्राचीन खमेर मंदिरों का घर है, जिनमें से कई सीमा के करीब स्थित हैं। पास के ऊंचे इलाकों पर नियंत्रण को लेकर लंबे समय से विवाद रहा है, और लड़ाई के इस दौर में इन क्षेत्रों में एक बार फिर सैनिकों की आवाजाही, गोलाबारी और हवाई मिशन देखे गए हैं। इस विवाद की जड़ें 1900 के दशक की शुरुआत में हैं, जब कंबोडिया में फ्रांसीसी औपनिवेशिक प्रशासन के तहत सीमा रेखाएं स्थापित की गई थीं। थाईलैंड का कहना है कि उस समय बनाए गए कुछ नक्शों में सीमा को गलत तरीके से परिभाषित किया गया था और पिछले समझौतों में बताए गए प्राकृतिक जल विभाजक सीमाओं का पालन नहीं किया गया था।

विवाद का एक मुख्य बिंदु प्रेह विहार मंदिर बना हुआ है। 1962 में, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने फैसला सुनाया कि मंदिर पर संप्रभुता कंबोडिया की है।

चुनाव में 68 दिन शेष, निर्वाचन आयोग ने अस्थायी मतदाताओं की श्रेणियां तय कीं

एजेंसी

काठमांडू। प्रतिनिधि सभा के सदस्यों के लिए 5 मार्च 2026 को होने वाले चुनाव में अब 68 दिन शेष हैं। इस बीच निर्वाचन आयोग ने अस्थायी मतदाता सूची में शामिल किए जाने वाले व्यक्तियों की श्रेणियों को अंतिम रूप दे दिया है। आयोग के अनुसार, नेपाल सरकार, प्रांतीय सरकारों, स्थानीय स्तरों तथा संघीय या प्रांतीय सरकार के स्वामित्व या नियंत्रण में संचालित संस्थाओं में कार्यरत वे कर्मचारी, जिनके नाम अंतिम मतदाता सूची में दर्ज हैं, अस्थायी मतदाताओं के रूप में शामिल किए जाएंगे। इसी प्रकार, बैरकों में तैनात नेपाली सेना, नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल के सदस्य, जेलों में बंदी और कैदी, तथा चुनाव संबंधी कार्यों में तैनात कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी भी अस्थायी मतदाता सूची में शामिल होंगे। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि संघीय, प्रांतीय या स्थानीय सरकार द्वारा संचालित अथवा स्वीकृत वृद्धाश्रमों में रहने वाले व्यक्ति, साथ ही संवैधानिक निकायों के प्रमुख और पदाधिकारी भी अस्थायी मतदाता के रूप में पात्र होंगे। अस्थायी मतदाता सूची के निर्माण और प्रबंधन की निगरानी के लिए एक निर्वाचन आयुक्त के समन्वय में अस्थायी मतदाता सूची समन्वय समिति गठित की जाएगी।

बांग्लादेश चुनाव: छात्र-नेतृत्व वाली एनसीपी में गठबंधन को लेकर घमासान, जमात की ओर झुकाव

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में आम चुनाव नजदीक आते ही छात्र-नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के भीतर गठबंधन को लेकर गहरा मतभेद उभर आया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, पार्टी जमात-ए-इस्लामी के साथ संभावित सीट-बंटवारे की ओर बढ़ती दिख रही है। एनसीपी का गठन 2024 में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के खिलाफ हुए छात्र आंदोलनों से हुआ था। इन्हीं आंदोलनों के बाद मोहम्मद यूनुस अंतरिम प्रशासन के प्रमुख बने और एनसीपी को उनके संरक्षण में माना जाता है। हालांकि, चुनावी तैयारियों के बीच पार्टी को मजबूत जमीनी आधार खड़ा करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शुरुआत में एनसीपी को बांग्लादेश की पारंपरिक राजनीति-बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी से अलग एक तीसरी ताकत के रूप में देखा गया था। इस बीच, वर्षों तक सत्ता में रही अवामी लीग पर अंतरिम सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया है। सोशल मीडिया पर अच्छी मौजूदगी के बावजूद, एनसीपी डिजिटल लोकप्रियता को जमीनी समर्थन में बदलने में नाकाम रही है। इसी कारण पार्टी अब या तो बीएनपी या जमात-ए-इस्लामी के साथ गठबंधन की संभावनाएं टटोल रही है। इस कवायद ने पार्टी के भीतर इस्तीफों, गुटबाजी और तनावपूर्ण बातचीत को जन्म दिया है।

ढाका स्थित दैनिक प्रथम आलो के अनुसार, 350 सदस्यीय संसद में बड़ी संख्या में सीटों पर चुनाव लड़ने की महत्वाकांक्षा छोड़ते हुए एनसीपी जमात के साथ गठबंधन में करीब 30 सीटों पर संतोष करने को तैयार दिख रही है। चुनाव-पूर्व सर्वेक्षणों में

बीएनपी को स्पष्ट बढ़त और जमात को उसके पीछे बताया जा रहा है, जिससे एनसीपी की दुविधा और बढ़ गई है। पार्टी के भीतर दो धड़े उभर आए हैं- एक जमात-ए-इस्लामी से गठबंधन का समर्थक, दूसरा बीएनपी से बातचीत के पक्ष में, खासकर बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारीक रहमान की बांग्लादेश वापसी के बाद। इस खींचतान के बीच, जमात-विरोधी धड़े के प्रमुख नेता मीर अरशादुल हक ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। वे एनसीपी के संयुक्त सदस्य सचिव और चटगांव सिटी इकाई के मुख्य समन्वयक थे, जैसा कि द डेली स्टार ने बताया।

विवाद को और हवा देने वाली खबरों में आरोप है कि जमात-ए-इस्लामी गठबंधन सहयोगी के तौर पर एनसीपी को प्रति निर्वाचन क्षेत्र 1.5 करोड़ टका तक की पेशकश कर सकती है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक छात्र नेता ने कहा, 'युवा राजनीति की कब्र खोदी जा रही है। '

प्रथम आलो के मुताबिक, आगामी संसदीय चुनाव के लिए एनसीपी और जमात-ए-इस्लामी के बीच सीट-बंटवारे पर बातचीत जारी है। जहां एनसीपी नेतृत्व का एक वर्ग इसे राजनीतिक अस्तित्व के लिए जरूरी मानता है, वहीं दूसरा इसे पार्टी के मूल सिद्धांतों से विचलन बताता है। बताया जा रहा है कि बीएनपी से शुरुआती बातचीत विफल रहने के बाद जमात के साथ वार्ता तेज हुई, हालांकि तारीक रहमान की वापसी के बाद एनसीपी ने बीएनपी से संपर्क फिर शुरू किया है। अगस्त 2024 से मोहम्मद यूनुस का समर्थन कर रही जमात-ए-इस्लामी ने अब तक अपने रुख को सार्वजनिक नहीं किया है। हालांकि, जमात अमीर शफीकुर रहमान ने कहा कि उनकी पार्टी से वही दल चुनावी गठबंधन कर सकता है, जो उसकी तीन शर्तों से सहमत हो।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/28/2025 12:21 AM Page 2

सूरजमुखी के बीज की खेती की जानकारी

सी एम शर्मा, भूपिंदर

सूरजमुखी का नाम हैलीएन्थस है जो दो शब्दों से बना हुआ है। हैलीअस मतलब सूरज और एन्थस मतलब फूल। इसके फूल, सूरज की दिशा होने में मुड़ जाने के कारण इसे सूरजमुखी कहा जाता है। यह देश की महत्तवपूर्ण तिलहनी फसल है। इसका तेल हल्के रंग, अच्छे स्वाद और इसमें उच्च मात्रा में लिनोलिक एसिड होता है, जो कि दिल के मरीज़ों के लिए अच्छा होता है। सूरजमुखी के बीज में खाने योग्य तेल की मात्रा 48 से 53 प्रतिशत होती है।

आजकल जलवायु परिवर्तन के साथ - साथ कृषि में विविधीकरण पर ज़ोर-शोर से चर्चा का बाज़ार गर्म है तो जम्मू के गर्म - मैदानी क्षेत्रों में भी विविधीकरण की ओर कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। इससे जलवायु के अनुकूल हमारे फसलचक्र में नई लाभदायक फसल का आगमन भी भी हो सकता है और कृषि में भीड़चाल से मुक्त मुलयसंवर्धक खेती का सूत्रपात भी हो सकता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमारे कृषि विभाग एवं शोध संस्थाओं तथा विश्वविद्यालयों को उत्तम बीज प्राप्त करने में सक्षम सूरजमुखी की खेती पर ध्यान देना चाहिए।

यहां किसान भाइयों के लिए, सूरजमुखी की खेती की जानकारी जलवायु, किस्में, रोकथाम व पैदावार आदि, पर जानकारी प्रदान की जाएगी, जिसका पीछा कर के किसान इस फसल की अच्छी पैदावार प्राप्त कर सकते है।

सूरजमुखी की खेती के लिए उपयुक्त जलवायु और भूमि

उपयुक्त जलवायु- सूरजमुखी की खेती खरीफ, रबी, जायद तीनो मौसम में की जा सकती है। फसल पकते समय शुष्क जलवायु की अति आवश्यकता पड़ती है। परन्तु खरीफ में सूरजमुखी पर अनेक रोग कीटों का प्रकोप होता है, फूल छोटे होते है, तथा उनमें दाना भी कम पड़ता है। जायद में सूरजमुखी की खेती से अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है।

उधर पंजाब के किसान सूरजमुखी की खेती से पीछे मुड़े हैं। किसानों का सूरजमुखी से विमुख होने के पीछे मुख्य कारण मार्केट से मिलने वाला मिलावटी बीज है। करीब 8-10 पूर्वी जिले में बड़े पैमाने पर सूरजमुखी का उत्पादन किया जाता था। इसके बीज के लिए हाइब्रिड का प्रयोग किया जाता है जो थैलियों में आता है। उस समय कुछ दुकानदारों और किसानों ने साधारण बीज को थैलियों में बंद कर किसानों को बेचकर किसानों को मोटी चपत लगाई थी। सूरजमुखी की ज़ायद फसल अधिकतर शीतकालिक आलू की फसल के बाद ली जाती है। इसलिए ऐसे में सम्बंधित किसानों को चाहिए कि वे कम समय में मुनाफा देने वाली बीज के लिए सूरजमुखी की फसल को अपनाएं। यदि जम्मू के कुछ प्रगतिशील किसान शुद्ध बीज उत्पादन करके वितरण की पहल करें तो दोनों को लाभ होगा।

जम्मू का कृषि योग्य क्षेत्र फल कम है। इसलिए तेल प्राप्ति के लिए फसल उगाना ज़ यादा लाभदायक नहीं रहेगा परन्तु यहां परागण की समस्या न होने के कारण बीज उत्पादन लाभकारी हो सकता है। बीज फलने के समय पक्षी हानि पहुंचा सकते हैं जिसका विशेष ध्यान रखना आवश्यक रहेगा। जहाँ मौसम गेहूं की बोआई के अनुकूल नहीं रहा वहां ऐसे प्रयोग अवश्य किये जा सकते हैं।

उपयुक्त भूमि- सूरजमुखी की खेती सभी प्रकार की भूमि में की जा सकती है। परन्तु अधिक जल रोकने वाली भारी भूमि उपयुक्त है। निश्चित सिचाई वाली सभी प्रकार की भूमि में अम्लीय व क्षारीय भूमि को छोडकर इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। हालाँकि दोमट भूमि सर्वोतम मानी जाती है।

फसली चक्र- धान/मक्की - मक्की - आलू- सूरजमुखी, धान- तोरीया, सूरजमुखी, कमाद- सूरजमुखी, खरीफ का चारा- तोरिया- सूरजमुखी।

खेत की तैयारी- खेत में पर्याप्त नमी न होने की दशा में पलेवा लंगाकर जुताई करनी चाहियें। एक जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा देशी हल से 2 से 3 बार जोतकर मिट्टी भुरभुरी बना लेनी चाहिए। रोटावेटर से खेत की तैयारी जल्दी हो जाती है।

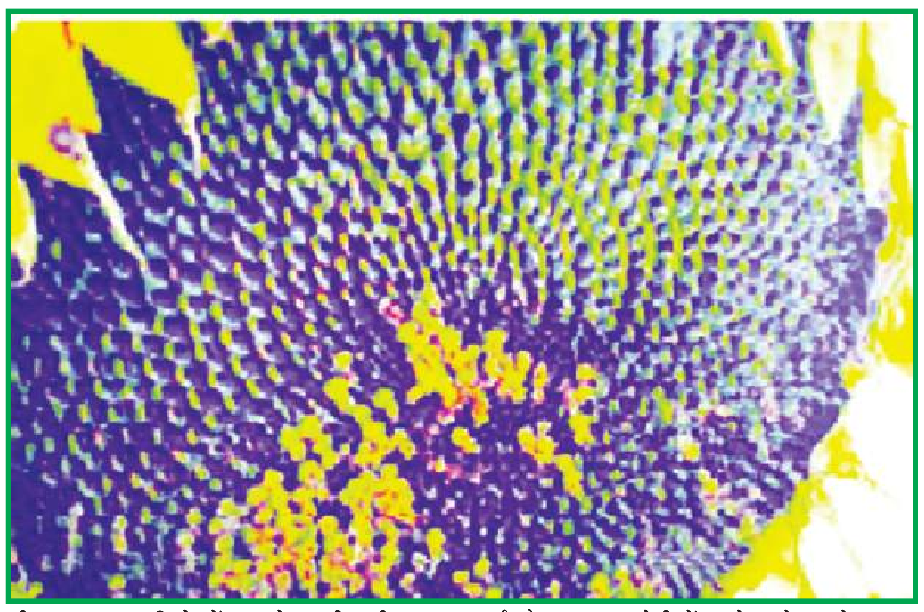

उन्नत किस्में

सूरजमुखी की खेती के लिए किस्में, बीज की मात्रा और बुवाई

मार्डन- पौधे की ऊंचाई लगभग 90 से 100 सेंटीमीटर तक होती है। बहु फसली क्षेत्रों के लिये उपयुक्त तेल की मात्रा 38 से 40 प्रतिशत होती है। उपज 6 से 8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है, और अवधि 80 से 90 दिन है।

ज्वालामुखी- तेल की मात्रा 42 से 44 प्रतिशत होती है। पौधे की ऊंचाई 160 से 1।0 सेंटीमीटर होती है। उपज 30 से 35 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। अवधि 85 से 90 दिन है।

बी.एस.एच 1- इस किस्म में तेल की मात्रा 41 प्रतिशत होती है, किट्ट प्रतिरोधक, पौधे की ऊंचाई 130 से 150 सेंटीमीटर रहती है। उपज 10 से 15 क्विंटल है और अवधि 90 से 95 दिन है।

एम.एस.एफ.एस 8- इस किस्म में तेल की मात्रा 42 से 44 प्रतिशत होती है। पौधे की ऊंचाई 1।0 से 200 सेंटीमीटर होती है। उपज 15 से 18 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है, और अवधि 90 से 100 दिन है।

क्कएस.एच - 569 पौधे का कद 141 सै.मी. है। फसल 98 दिनों में पक जाती है। यह किस्म पिछेती बिजाई के लिए अनुकूल है। इसकी औसत पैदावार ।.44 क्विंटल प्रति एकड़ है और 36.3 प्रतिशत तेल होता है।

एम.एस.एच- तेल की मात्रा 42 से 44 प्रतिशत होती है। पौधे की ऊंचाई 1।0 से 200 सेंटीमीटर होती है। उपज 15 से 18 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। अवधि 90 से 100 दिन है।

एम.एस.एफ.एच 4- तेल की मात्रा 42 से 44 प्रतिशत होती है। पौधे की ऊंचाई 120 से 150 सेंटीमीटर होती है। रबी एवं जायद के लिए उपयुक्त हैं। उपज 20 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है और अवधि 90 से 95 दिन है।

एस.एच.एफ.एच 1- तेल की मात्रा 40 से 42 प्रतिशत होती है। पौधे की ऊंचाई 120 से 150 सेंटीमीटर होती है। उपज 15 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। अवधि 90 से 95 दिन है।

सूर्या- पौधे की ऊंचाई लगभग 130 से 135 सेंटीमीटर तक होती है। पिछैती बुवाई के लिये उपयुक्त। तेल की मात्रा 38 से 40 प्रतिशत होती है। उपज 8 से 10 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है और अवधि 90 से 100 दिन है।

ई.सी. 68415- पौधे की ऊंचाई लगभग 180 से 200 सेंटीमीटर तक होती है। पिछैती बुवाई के लिये उपयुक्त। तेल की मात्रा 42 से 46 प्रतिशत होती है। उपज 8 से 10 क्विंटल है और अवधि 110 से 115 दिन है।

संकर किस्में

के.वी. एस.एच 1- पौधे की ऊंचाई लगभग 150 से 180 सेंटीमीटर तक होती है। पिछैती बुवाई के लिये उपयुक्त। तेल की मात्रा 43 से 45 प्रतिशत होती है। उपज 30 से 32 क्विंटल है और अवधि 90 से 95 दिन है।

एस.एच 3322- पौधे की ऊंचाई लगभग 13। से 1।5 सेंटीमीटर तक होती है। पिछैती बुवाई के लिये उपयुक्त। तेल की मात्रा 40 से 42 प्रतिशत होती है। उपज 28 से 30 क्विंटल है और अवधि 90 से 95 दिन है।

एम एस एफ एच 1।- पौधे की ऊंचाई लगभग 140 से 150 सेंटीमीटर तक होती है। पिछैती बुवाई के लिये उपयुक्त। तेल की मात्रा 35 से 40 प्रतिशत होती है। उपज 2। से 29 क्विंटल है और अवधि 90 से 95 दिन है।

क्कएस.एच - 996 यह दरमियानी ऊंची 141 सै.मी. दोगली किस्म है। फसल 96 दिनों में पक जाती है। इसकी औसत पैदावार ।.8 क्विंटल प्रति एकड़ है। इसके बीज में 35.8 प्रतिशत तेल होता है। यह किस्म पिछेती बिजाई के लिए अनुकूल है।

वी एस एफ 1- पौधे की ऊंचाई लगभग 140 से 150 सेंटीमीटर तक होती है। पिछैती बुवाई के लिये उपयुक्त। तेल की मात्रा 35 से 40 प्रतिशत होती है। उपज 2। से 29 क्विंटल है और अवधि 90 से 95 दिन है।

पंजाब कृषि यूनिवर्सिटी की तरफ से पंजाब के किसानों के लिए साल 2016 पीएसऐच-1962 सूरजमुखी की नई किस्म जारी की गई है जिस का झाड़ 8.2 कुविंटल प्रति एकड़ है।

बुवाई का समय- जायद में सूरजमुखी की बुवाई का उपयुक्त समय फरवरी का दूसरा पखवारा है। जिससे फसल मई के अन्त या जून के प्रथम सप्ताह तक पक जायें। बुवाई में देर करने से वर्षा शुरू हो जाने के बाद पैदावार में नुकसान पहुंचता है।

बीज की मात्रा- बीज की मात्रा अलग अलग पड़ती है, जैसे की सामान्य प्रजातियो में 12 से 15 किलो ग्राम प्रति हैक्टर बीज लगता है, और संकर प्रजातियो में 5 से 6 किलो ग्राम प्रति हैक्टर बीज लगता है। यदि बीज की जमाव गुणवता ।0 या ।5 प्रतिशत से कम हो तो बीज की मात्रा बढ़ाकर बुवाई करना चाहिए।

बीजोपचार- बीज को बुवाई से पहले 3 ग्राम थीरम या बाविस्टीन प्रति किलो ग्राम बीज को शोधित करना चाहिए। बीज को बुवाई से पहले रात में 12 घंटा भिगोकर सुबह 3 से 4 घंटा छाया में सुखाकर दोपहर के बाद बुवाई करनी चाहिए।

सूरजमुखी की खेती के लिए उर्वरक और सिंचाई

बुवाई की विधि- बुवाई लाइनों में हल के पीछे 4 से 5 सेंटीमीटर गहराई पर करनी चाहिए। लाइन से लाइन की दूरी 45 सेंटी मीटर तथा पौध से पौध की दूरी 15 से 20 सेंटीमीटर रखनी उपयुक्त है।

खाद या उर्वरक- उर्वरको का प्रयोग मृदा परिक्षण के आधार पर ही करना चाहिए फिर भी सूरजमुखी की खेती के लिए आखिरी जुताई में खेत तैयार करते समय 250 से 300 कुंतल सड़ी गोबर की खाद या कम्पोस्ट खाद लाभदायक है। नत्रजन 80 किलोग्राम, 60 किलोग्राम फास्फोरस एवम पोटाश 40 किलो ग्राम तत्व के रूप में प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है। नत्रजन की आधी मात्रा एवम फास्फोरस व् पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के समय कुडों में डालनी चाहिए इसका विशेष ध्यान देना चाहिए शेष नत्रजन की मात्रा बुवाई के 25 या 30 दिन बाद देनी चाहिए।

सिंचाई- सूरजमुखी की खेती के लिए हल्की भूमि में जायद मे सूरजमुखी की अच्छी फसल के लिए 4 से 5 सिचांईयो की आवश्यकता पडती है। तथा भारी भूमि में 3 से 4 सिंचाइयां की आवश्यकता होती है। पहली सिंचाई बोने के 20 से 25 दिन बाद आवश्यक है। फूल निकलते समय तथा दाना भरते समय भूमि में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। इस अवस्था में सिंचाई बहुत सावधानी पूर्वक करनी चाहिए ताकि पौधे न गिरने पायें। सामान्यत: 10 से 15 दिनों के अन्तर पर सिंचाई की आवश्यकता होती है।

सूरजमुखी की खेती के लिए कीट तथा खरपतवार रोकथाम

खरपतवार रोकथाम- सूरजमुखी की खेती में 2 से 3 निराई गुड़ाई आवश्यक है, जो जल्दी जल्दी करनी चाहिए और साथ में पौधों की संख्या और दुरी भी सुनिश्चित करें और पौधों को मिट्टी चढाएं। रासायनिक खरपतवार नियंत्रण हेतु पेन्डिमैथेलिन 30 इसी की 3.3 लीटर मात्रा प्रति हेक्टर के हिसाब से 800 से 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर बुवाई के बाद 1 से 2 दिन के अन्दर छिड़काव करना चाहिए।

रोग रोकथाम- सूरजमुखी की खेती में काले धब्बे का रोग, फूल गलन, जड़ तथा तना गलन और झुलसा रोग मुख्य रूप से लगते है। इनकी रोकथाम के लिए एम- 45 या कापर ऑक्सिक्लोराइड 1.5 से 2 लिटर को 800 से 900 लिटर पानी में घोल बनाकर 15-15 दिन के अन्तराल पर दो छिडकाव करे, और बीज को अच्छे से उपचारित कर के बुवाई करें।

किट रोकथाम- सूरजमुखी की खेती में कई प्रकार के कीट लगते है, जैसे की दीमक हरे फुदके डसकी बग आदि है। इनके नियंत्रण के लिए कई प्रकार के रसायनो का भी प्रयोग किया जा सकता है। मिथाइल ओडिमेंटान 1 लीटर 25 ईसी या फेन्बलारेट ।50 मिली लीटर प्रति हैक्टर 900 से 1000 लीटर पानी में घोलकर छिडकाव करना चाहिए।

सूरजमुखी की फसल की कटाई और पैदावार

कटाई- जब सूरजमुखी के बीज कड़े हो जाए तो फूलो के कटाई करके एकत्र कर लेना चाहिए, तथा इनको छाया में सुख लेना चाहिए।

इनको ढेर बनाकर नहीं रखना चाहिए, इसके बाद डंडे से पिटाई करके बीज निकल लेना चाहिए साथ ही सूरजमुखी थ्रेशर का प्रयोग करना उपयुक्त होता है।

उपज- सामान्य किस्मों की पैदावार 15 से 20 क्विंटल प्रति हैक्टर होती है तथा संकर प्रजातियों की पैदावार 23 से 30 क्विंटल प्रति हैक्टर प्राप्त होती है।

मिट्टी में सुधार कैसे करें

सभी माली को कभी-कभी जमीन के एक टुकड़े की मिट्टी में सुधार की चुनौती का सामना करना पड़ता है। खेती के लिए सभी मिट्टी में अच्छी स्थिति नहीं है। हालांकि, मिट्टी में सुधार कृषि श्रमिकों के लिए एक आम काम है (चाहे एक छोटी परियोजना में लगे हों या बड़े हिस्से में)। मिट्टी को प्रभावी ढंग से सुधारने के लिए विशिष्ट कौशल और रणनीतियों को लागू करना आवश्यक है। मिट्टी में सुधार करने और भूमि के एक टुकड़े के प्रभावी उपज को बढ़ाने के लिए यहां कुछ सबसे अधिक अनुशंसित विधियां दी गई हैं।

मिट्टी पोषक तत्वों में सुधार करें

1 जांच लें कि आपके पौधों की ज़रूरत क्या है बागवानी के लिए तीन महत्वपूर्ण पोषक तत्व हैं- पत्तियों के विकास के लिए नाइट्रोजन (एन) और रोगों के खिलाफ प्रतिरोध के लिए जड़ों, फलों और बीज और पोटेशियम (के) के लिए फास्फोरस (पी), पौधों की सामान्य स्वास्थ्य पत्तियों के विकास पर ध्यान देने के लिए रोपाई को अधिक फॉस्फोरस की आवश्यकता हो सकती है और पौधों को आमतौर पर इन पोषक तत्वों की बहुत कम आवश्यकता होती है जब यह मौसम नहीं बढ़ रहा है। सर्वोत्तम परिणामों के लिए, विशिष्ट पौधों की जांच करें ताकि आप उनकी जरूरतों को पूरा कर सकें। इन्हें आम तौर पर तीन मानों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है एनपीके, जो उस क्रम में इन पोषक तत्वों के अनुपात या कुल मात्रा को दर्शाते हैं।

2 कार्बनिक स्त्रोतों से उर्वरक चुनें पौधे के मामले और पशु पदार्थ (जैसे मछली का पायस या मछली हाइड्रोलाइजेट) लंबी अवधि के माइक्रोबियल विकास के लिए सर्वोत्तम प्रकार के उर्वरक प्रदान करते हैं, जो मिट्टी को पोषक तत्वों और छिद्रपूर्ण समृद्ध रखती हैं। प्रयोगशालाओं में संश्लेषित उर्वरक आम तौर पर मिट्टी में सुधार किए बिना पौधे को भोजन करते हैं और कुछ मामलों में, वे नकारात्मक प्रभाव भी पैदा कर सकते हैं।

मिट्टी के additives के साथ काम करते समय हमेशा अपने हाथों और चेहरे की रक्षा करें, क्योंकि ये कुछ बैक्टीरिया और अन्य स्वास्थ्य खतरों के होते हैं।

3 खाद या अन्य कार्बनिक पदार्थों का उपयोग करने पर विचार करें विनिर्मित उर्वरकों के बजाय, आप एक बगीचे की आपूर्ति की दुकान या खेत पर सस्ता, अप्रसारित उर्वरक पा सकते हैं। ये कुछ सामान्य विकल्प हैं पौधों को नुकसान पहुंचाने से बचने के लिए आपको खाद को कम से कम एक महीने का उपयोग करने से पहले सिकोड़ना चाहिए।

चिकन या टर्की खाद किफायती है, लेकिन बड़े क्षेत्रों में अपवाह समस्याओं का कारण हो सकता है। गाय, भेड़, बकरी और खरगोश की खाद उच्च गुणवत्ता वाले हैं और कम सख्त गंध है। फास्फोरस या नाइट्रोजन के लिए खून के भोजन के लिए हड्डी का भोजन जोड़ें।

4 अपना खुद का खाद बनाएं. नए खाद को आमतौर पर परिपक्व होने में चार से आठ महीने लगते हैं, जब तक कि आप विशेष जीवाणुओं को जोड़कर इस प्रक्रिया को गति नहीं देते। यदि आप इस प्रक्रिया के साथ जारी रखने के लिए तैयार हैं तो यह दीर्घकालिक परियोजना, मिट्टी और पोषक तत्वों की बनावट दोनों को बहुत फायदा पहुंचेगी। एक बड़े बाहरी कंटेनर को अलग रखें जो कि इसे जानवरों से बचाने के लिए हीमेटिक रूप से सील किया गया है, लेकिन छिद्रों के साथ हवा को प्रसारित करने के लिए निम्नलिखित तकनीकों के साथ इसकी देखभाल करें- 20% भूमि, खाद या परिपक्व खाद के साथ शुरू करें - कच्चे खाद्य का 10 से 30% पौधों से निकला रहता है - और 50 से 70% सूखे पत्ते, घास कतरनों और घास के साथ। उन्हें अच्छी तरह से मिलाएं कंपोस्ट गर्म और नम रखें और चिकन अवशेषों से गैर-मांस (कच्चे) भोजन जोड़ें।

एक फोर्क या फावड़ा के साथ खाद को एक हफ्ते में कम से कम एक बार या हर दो हफ्ते ऑक्सीजन पेश करने के लिए बारी बारी से फायदेमंद बैक्टीरिया के विकास को उत्तेजित करता है। चट्टानों के नीचे गीले इलाकों में गंदवों की तलाश करें और उन्हें खाद बिन में जोड़ें। खाद परिपक्व हो जाएगा (उपयोग के लिए तैयार) जब इसे कसने पर ढेर हो जाए, लेकिन इसे आसानी से अलग किया जाना चाहिए। स

यंत्र के तंतुओं को दिखाई देना चाहिए, लेकिन खाद मुख्य रूप से सजातीय होना चाहिए।

5 उर्वरक सामग्री जोड़ें चाहे वे एक ठोस उर्वरक, खाद या खाद का उपयोग करें, अधिकांश माली पूरी तरह मिट्टी में उर्वरक सामग्री का मिश्रण करते हैं। कई फसलें 30% खाद और 70त्न पृथ्वी के मिश्रण के साथ अच्छी तरह से बढ़ती हैं, लेकिन कम मात्रा में खाद के साथ सब्जियां और फल अक्सर बेहतर विकसित होते हैं। एकाग्रता के आधार पर उर्वरक की मात्रा काफी भिन्न होती है। अपने विशेष संयंत्र के लिए निर्देशों का पालन करें। विधि के रक्षक शून्य खेती या सीधे बुवाई वे सामग्री की सतह को जोड़ने की सलाह देते हैं, जो इसे मिट्टी में कम से कम करने की अनुमति देता है पेशेवरों ने इसे मिट्टी में सुधार की एक अधिक प्राकृतिक और कम आक्रामक विधि के रूप में माना है, हालांकि पूरा परिणाम साल लग सकते हैं और प्रचुर मात्रा में कार्बनिक पदार्थ की आवश्यकता होती है। बेहतर परिणाम के लिए गिरावट में इसे जोड़ें कई पौधों को लाभ होता है रिचार्जिंग बढ़ते मौसम के दौरान हर महीने या हर दो महीने, लेकिन यह प्रजातियों और किस्मों के अनुसार भिन्न होता है। यदि आपको लगता है कि खाद या खाद पर्याप्त रूप से विघटित नहीं हो सकता है, पौधों के चारों ओर मिट्टी के एक नियमित चक्र को जलाकर उन्हें जलाने से बचें।

6 ट्रेस तत्वों को जोड़ें ऐसे कई तत्व हैं जो कम महत्वपूर्ण या कम प्रत्यक्ष प्रभाव रखते हैं, लेकिन वे पौधों या खराब मिट्टी में बीमारियों का कारण बन सकते हैं यदि वे आवश्यक स्तर से नीचे हैं। यदि आप उन्हें शामिल करना सुनिश्चित करना चाहते हैं, रोपण से पहले मिट्टी में हरा रेत, समुद्री शैवाल भोजन या अज़ोमीट मिलाएं। छोटे घरेलू बागानों के लिए, आप इसे आवश्यक नहीं समझ सकते जब तक आपके पौधों में रोग नहीं होते हैं। सबसे महत्वपूर्ण oligoelements हैं- लोहा, बोरान, तांबा, मैंगनीज, मोलिब्डेनम और जस्ता। यहां वर्णित एडिटिव्स प्राकृतिक और जैविक खेती के लिए उपयुक्त हैं।

7 फसल रोटेशन पर विचार करें। अगर आप उसी स्थान के पौधे को एक ही स्थान में वर्ष के बाद वर्ष में लगाते हैं, तो यह मिट्टी के पोषक तत्वों को तेज़ी से कम कर देगा। कुछ पौधे कम पोषक तत्वों का उपयोग करते हैं या मिट्टी में नाइट्रोजन भी जोड़ते हैं। इसलिए, पौधों को प्रतिवर्ष घूमते हुए अधिक स्थिर पौष्टिक स्तर बनाए रखेंगे। होम बागवानी के लिए, फसल रोटेशन के लिए इस सरल गाइड से शुरू करें। कृषि के लिए, एक अनुभवी स्थानीय किसान या कृषि विस्तार कार्यालय से परामर्श करें, क्योंकि उपलब्ध फसलों के अनुसार रोटेशन योजना भिन्न होती है। किसान भी इसका उपयोग करने पर विचार कर सकते हैं कवर फसलें सर्दियों का, जो वास्तविक फसल के लिए पोषक तत्व प्रदान करने के लिए बोया जाता है। पहली ठंडी या 60 दिनों से कम से कम 30 दिनों के पहले एक ठंड-प्रतिरोधी फसल लगाइए, अगर फसल केवल थोड़ी ही ठंडा प्रतिरोधी होती है। नियमित फसल लगाने से पहले फसल को कम से कम तीन या चार सप्ताह में काट लें और मिट्टी में कटे हुए फसल को विघटित कर दें।

8 ऊसर भूमि का सुधार कैसे करें

फायदेमंद बैक्टीरिया या कवक जोड़ने पर विचार करें। यदि आपकी मिट्टी अच्छी तरह से वातित होती है और पोषक तत्वों के साथ उपलब्ध होती है, तो माइक्रोबियल आबादी अपने दम पर बढ़ेगी और पौधों के मरे हुए पदार्थ को उन पोषक तत्वों में तोड़ देगा जो आपके पौधों को पुन- उपयोग कर सकते हैं। मिट्टी के स्वास्थ्य में और सुधार करने के लिए, आप एक बगीचे की आपूर्ति की दुकान पर बैक्टीरिया या कवक के अतिरिक्त खरीद सकते हैं (यदि वे आपकी पौधे की प्रजातियों के लिए उपयुक्त हों)। जिस मिट्टी को पहले से ही नष्ट कर दिया गया है, उसे जल्दी से जोड़ना पड़ता है, हालांकि इसमें कोई सामान्य नियम नहीं है कि इसका उपयोग कितना करना चाहिए या इसका उपयोग कब करना बंद करना चाहिए। सबसे आम परिवर्धन में से एक मायकोर्हाइजा नामक कवक का प्रकार है। यह पौधे की जड़ों का पालन करता है और उन्हें अधिक पोषक तत्वों और पानी को अवशोषित करने में मदद करता है। जीनस से संबंधित सभी को छोड़कर सभी पौधे ब्रॉसीका (ब्रोकेली और बोक चोय जैसे सरसों और जूस-सब्जियों सहित), इसका लाभ, जब तक कि मिट्टी अच्छी स्थिति में न हो। रजबिअम नामक जीवाणु अक्सर मिट्टी में मौजूद होते हैं, लेकिन आप सुरक्षित होने के लिए एक रेजोबियम इनोकुल्केंट खरीद सकते हैं। ये मिट्टी में नाइट्रोजन को जोड़ने के लिए आलू और बीन्स जैसे फलियां के साथ एक सहजीवी संबंध बनाते हैं।

मिट्टी बनावट में सुधार करें

1 जमीन के त्रिकोण को समझें मृदा वैज्ञानिक कणों को विभाजित करते हैं जो मिट्टी को तीन श्रेणियों में बनाते हैं। रेत के कण सबसे बड़े होते हैं, कीचड़ के कण छोटे होते हैं और मिट्टी के कण छोटे होते हैं। इन तीन प्रकारों के अनुपात में आपकी मिट्टी का प्रकार निर्धारित किया जाता है, जिसे तालिका में वर्णित किया गया है मिट्टी त्रिकोण। अधिकतर पौधों के लिए, आपको एक को लागू करना चाहिए चिकनी मिट्टी या लगभग क्रमश: 40-40-20 रेत, गाद और मिट्टी का मिश्रण। रसीला और कैक्टि अक्सर एक पसंद करते हैं रेतीले लोम 60 या 70% रेत के साथ

2 एक त्वरित मिट्टी की बनावट परीक्षण लागू करें। ऊपरी सतह परत के नीचे से पृथ्वी का एक छोटा सा द्रव्य निकालें ह्यूम करें, फिर एक गेंद बनाने की कोशिश करें और उसे रिबन में समतल करें।

निम्नलिखित निदान के आधार पर यह त्वरित विधि प्रमुख समस्याओं का पता लगा सकती है- अगर आपकी पृथ्वी टेप 2.5 सेमी (1 इंच) तक पहुंचने से पहले टूट जाती है, तो इसका मतलब है कि आपके पास मर्ल या गाद है।

(यदि आप एक गेंद या रिबन नहीं बना सकते हैं, तो आपके पास एक रेतीली मिट्टी है)। यदि आपका टेप 2.5 से 5 सेंटीमीटर (1 से 2 इंच) को तोड़ने से पहले उपाय करता है, तो इसका मतलब है कि आपके पास मिट्टी लोम है यह संभावना है कि आपकी मिट्टी रेत और गाद से अधिक लाभ करेगी। यदि आपकी टेप 5 सेमी (2 इंच) से अधिक है, तो इसका मतलब है कि आपके पास मिट्टी है उस स्थिति में आपकी मिट्टी को अधिक जोड़ों की आवश्यकता होगी।